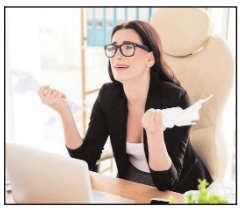

दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 1 ■ अंक : 280

ग्वालियर, बुधवार 29 जून 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

असम में बाढ़ का कहर, आठ और लोगों की मौत

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर राज्य असम में मानसून पूर्व बाढ़ के कहर के चलते आठ और लोगों की मौत हो गई, जबकि 21 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस साल बाढ़ के कारण मृतकों की संख्या बढ़कर 134 हो गई, जिसमें सोमवार को दिन में आठ लोगों की मौत हुई। इसमें कछार जिले के पांच और कामरूप मेट्रो, मोरीगांव और नगांव से एक-एक व्यक्ति शामिल हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) द्वारा जारी बुलेटिन के अनुसार, कछार जिले में भी एक व्यक्ति के लापता होने की सूचना है। हालांकि, बाढ़ की स्थिति में कुछ सुधार हुआ है। एएसडीएमए के बुलेटिन के अनुसार, 22 जिलों में कुल प्रभावित आबादी घटकर 21.52 लाख हो गई, जबकि पिछले दिन 28 जिलों में यह संख्या 22.21 लाख थी। अधिकारियों ने बताया कि ज्यादातर नदियों में जल स्तर घट रहा है। हालांकि, नगांव में कोपिली, कछार में बराक और करीमगंज में करीमगंज और कुशियारा खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। एक सप्ताह से अधिक समय से पानी में डूबे

सिलचर कस्बे में उन इलाकों में राहत पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है जहां प्रशासन को वायुसेना के हेलीकॉप्टर से भोजन, पीने के पानी और अन्य आवश्यक वस्तुओं के पैकेट गिराने के लिए हवाई मार्ग से पहुंचना बाकी है। कछार की उपायुक्त कीर्ति जल्ली ने कहा कि मानव रहित विमान (यूएवी) के जरिये सिलचर शहर में बाढ़ का नक्शा तैयार करने के लिए निगरानी और सर्वेक्षण किया जा रहा है ताकि विभिन्न क्षेत्रों में क्षति का आकलन किया जा सके और भविष्य में नुकसान को कम करने के उपाय करने में मदद मिल सके। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को दो दिनों के भीतर दो बार सिलचर का दौरा कर शहर में राहत और बचाव कार्यों की समीक्षा की। परिवहन मंत्री परिमल शुक्लाबैद्य ने सोमवार को बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए राहत सामग्री के वितरण का निरीक्षण करने के लिए अपने निर्वाचन क्षेत्र ढोलई में बोरजालेंगा और नरसिंहपुर विकास खंड का दौरा किया। एएसडीएमए ने एक बुलेटिन में कहा कि इस बीच, राज्यभर में 61 राजस्व मंडलों के तहत 2,254 गांव बाढ़ की मौजूदा लहर से प्रभावित हैं, जबकि 1,91,194 लोगों ने 538 राहत शिविरों में शरण ली है। बाढ़ के पानी से 79 सड़कों और पांच पुलों को नुकसान पहुंचा है, जबकि छह तटबंध टूट गए हैं। बुलेटिन में कहा गया है कि 74,655.89 हेक्टेयर फसल क्षेत्र अभी भी जलमग्न है।

देश के एयरपोर्ट देकर मित्रों' को दौलतवीर और युवाओं को ठेके पर अग्निवीर बना रहे पीएम: राहुल गांधी

नई दिल्ली। अग्निपथ योजना को लेकर भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दोस्तों को दौलतवीर जबकि युवाओं को अग्निवीर बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री अपने दोस्तों को 50 साल के लिए हवाई अड्डे सौंपकर उन्हें दौलतवीर बना रहे हैं, जबकि युवाओं को चार साल के कॉन्ट्रैक्ट पर अग्निवीर बना रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का यह बयान उस दिन आया है जब पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नई सैन्य भर्ती योजना को वापस लेने की मांग को लेकर सभी विधानसभा क्षेत्रों में शांतिपूर्ण सत्याग्रह किया। राहुल गांधी ने हिंदी में एक ट्वीट में कहा, प्रधानमंत्री अपने 'मित्रों' को 50 साल के लिए देश के एयरपोर्ट देकर दौलतवीर और युवाओं को सिर्फ़ 4 साल के ठेके पर अग्निवीर बना रहे हैं। जब तक युवाओं को इंसाफ़ नहीं मिलता, ये सत्याग्रह नहीं रुकेगा। बता दें कि 14 जून को सशस्त्र बलों के लिए अग्निपथ भर्ती योजना की घोषणा के बाद कई राज्यों में जबरदस्त हिंसा और विरोध प्रदर्शन हुए।

संजय राउत को ईडी का दूसरा समन, अब 1 जुलाई को बुलाया

मुंबई। महाराष्ट्र की सियासत और शिवसेना में बगावत के खिलाफ मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के सबसे आक्रामक समर्थकों में से एक सांसद संजय राउत को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष पेश होने के लिए 1 जुलाई तक का समय दिया गया है। संजय राउत को मूल रूप से मंगलवार सुबह 11 बजे एजेंसी के मुंबई कार्यालय में पेश होने के लिए कहा गया था, लेकिन उनके वकीलों ने दस्तावेजों को एक साथ रखने के लिए दो सप्ताह का समय मांगा। राउत के वकील विकास ने कहा कि हमने ईडी के समक्ष रिपोर्ट करने के लिए कुछ समय की मांग करते हुए एक आवेदन दायर किया था, जिस मंजूर कर लिया गया है। हमारे द्वारा ईडी से लगभग 14 दिन का समय देने की मांग की थी। वहीं प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शिवसेना नेता संजय राउत को दूसरा समन भेजा है, जिसमें उन्हें पात्रा चावल भूमि घोटाला मामले में 1 जुलाई 2022 को उनके सामने पेश होने के लिए कहा गया है। राउत ने आरोप लगाया है कि भाजपा राजनीतिक हिसाब चुकता करने के लिए केंद्र सरकार की एजेंसी का दुरुपयोग कर रही है। समन के तुरंत बाद राउत ने कहा था कि वह पेश नहीं होने वाले हैं, और मामले को मुझे रोकने की साजिश÷ ईडी को उन्हें गिरफ्तार करने की चुनौती दी थी।

कॉ. ऑपरेटिव बैंकों को आगामी समय में बैंकिंग सेक्टर से जोड़ा जाएगा: अमित शाह

- बैंकिंग क्षेत्र में हुए सुधारों से देश के प्रत्येक नागरिक को बैंकिंग सेवाओं का लाभ मिल रहा है
- पीएम मोदी जी ने देश की समृद्धि और आर्थिक उत्थान में योगदान देने की ज़िम्मेदारी सहकारिता क्षेत्र को सौंपी है

अहमदाबाद। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज कहा कि भारत सरकार कॉ. ऑपरेटिव बैंकों को आगामी समय में बैंकिंग सेक्टर से जोड़ने की तैयारी कर रही है7 फिलहाल कॉ. ऑपरेटिव बैंक में सभी बैंक से संबंधित काम नहीं होते, लेकिन भविष्य में सभी बैंकिंग से जुड़े काम हो सकें ऐसी सुविधा उपलब्ध होगी7 अमित शाह ने नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए द गुजरात स्टेट को-ऑपरेटिव एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट बैंक लि. (खेतीबैंक) की अहमदाबाद में आयोजित 70 वीं एजीएम संबोधित करते हुए यह बात कही। अमित शाह ने कहा कि द गुजरात स्टेट को-ऑपरेटिव एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट बैंक लि. जिसे खेती बैंक कहते हैं, उसकी स्थापना 1951 में हुई और उस वर्ष में इसकी स्थापना का ऐतिहासिक महत्व भी है। सौराष्ट्र और काठियावाड़ में उस वक़्त लगभग 222 छोटे-छोटे रजवाडे थे और समग्र सौराष्ट्र की जमीन राजों-रजवाडों के नाम पर थी। किसान राजा के लिए जमीन जोतते थे और अपना जीवनयापन करते थे। परंतु जब राजों-रजवाडों का एकीकरण देश के लौहपुरूष सरदार पटेल के नेतृत्व में हुआ और भारतीय संघ अस्तित्व में आया तब स्वाभाविक तौर से उस जमीन के मालिक किसान बनते। लेकिन उस समय राजों-रजवाडों को क़ीमत देने के लिए किसानों के पास पैसा नहीं था और इस कारण वह भूमि उनके नाम नहीं हो सकी। उस समय सरदार पटेल साहब की प्रेरणा से और पोरबंदर के युवराज उदयभान सिंह जी के प्रयासों से एक सौराष्ट्र लैंड मोर्गेज बैंक की स्थापना हुई और किसानों को ऋण देकर उन्हें जमीन का मालिक बनाने की प्रक्रिया शुरू हुई। आज सौराष्ट्र, कच्छ और उत्तर गुजरात के किसान जमीन के मालिक हैं और इसका सबसे बडा श्रेय इस खेती बैंक को जाता है। उससमय 56 हजार किसान भाईयों को जमीन का मालिक बनाने में इस खेती बैंक ने लोन देकर बहुत बड़ी भूमिका अदा की थीऔर उन 56 हजार किसानों के माध्यम से आज यह संख्या बहुत बडी होने जा रही है। अमित शाह ने कहा कि आज जो जमीन के मालिक हैं, उसका मूल कारण खेती बैंक द्वारा दिया गया ऋण है और बाद में बैंक ने अनेक प्रकार के काम शुरु किए। किसान ज़मीनों के मालिक तो बन गए लेकिन जमीन को समतल करना, सिंचाई की व्यवस्था करनी, कुएं खोदना, खेती के लिए यांत्रिक साधन लाना, ये सब करना बाक़ी था। ऐसे में खेती बैंक ने मध्यम और लंबी अवधि के लिए ऋण देने की जिम्मेदारी लीऔर आज गुजरात के किसानों को एग्रीकल्चर-ईन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए मध्यम और लंबी अवधि के लोन देने का काम खेती बैंक कर रहा है। इस तरह से कितने ही किसानों को साहूकारों के चुंगल से छुडाने का काम खेती बैंक ने किया है। इस द्रष्टि से गुजरात के कृषि क्षेत्र में खेती बैंक का ये बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि देश को अनाज उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का आह्वान उस समय के प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी ने किया था। उस समय भी खेती बैंक ने ट्रेक्टर और कुएँ की खुदाई के लिए ऋण देकर आत्मनिर्भर बनाने में बहुत बडा योगदान दिया था। गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि नाबार्ड की स्थापना के बाद खेती बैंक का स्वरूप थोड़ा बदला और खेती के साथ-साथ ग्रामीण विकास, कुटीर उद्योग, डेयरी और स्वरोजगार के लिए भी ऋण देने का काम खेती बैंक ने शुरु किया। आज खेती बैंक मध्यम और दीर्घकालीन अवधि के ऋण देने वाली एग्रीकल्चर फायनान्स का सबसे बडाबैंक बनकर सामने आया है।खेती बैंक के 17 ज़िला कार्यालय और 176 शाखाएं मध्यम और लंबे समय के लिए लोन देते हैं और लगभग 8,42,000 किसानों को लगभग 4543 करोड रूपए का ऋण खेती बैंक ने अभी तक दिया है। इसके सदस्यों की संख्या भी तीन लाख से ज्यादा हो गई है और रिजर्व फंड गत वर्ष के लाभ के बाद 590 करोड रूपए तक पहुंच गया है। फिक्स डिपोजिट 238 करोड रूपए से अधिक हो गया है और एक साल के अंदर खेती बैंक ने लगभग 190 करोड रूपए की ऋण वसूली करकेवित्त बैलेंसिंग का काम बहुत अच्छे तरीक़े से किया है।

शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे ने कहा, हम शिवसेना में ही हैं, कहीं नहीं जा रहे

30 जून को बागी विधायक पहुंच सकते हैं मुंबई

मुंबई। शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे ने कहा, 'हम शिवसेना में हैं और कहीं नहीं जा रहे हैं. जल्द ही मुंबई लौटेंगे.' उन्होंने कहा कि जल्द ही सबको अपने अगले कदम के बारे में जानकारी देंगे. एक समाचार चैनल से बातचीत में शिंदे ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए कहा, 'जो लोग ये दावा कर रहे हैं कि गुवाहाटी में मौजूद विधायकों में से 2 दर्जन हमारे संपर्क में हैं, तो उनके नाम की लिस्ट सार्वजनिक क्यों नहीं करते हैं.' बागी नेता एकनाथ शिंदे ने कहा कि गुवाहाटी में मौजूद सभी विधायक उनके साथ खुश हैं. उन्होंने दावा किया कि कुल 50 विधायक उनके साथ हैं. शिंदे ने कहा कि जल्द ही आप सभी लोगों को आगे की भूमिका के बारे में बताएंगे और मुंबई लौटेंगे. उन्होंने कहा कि हम लोग शिवसेना को आगे लेकर जाएंगे और हम शिवसेना में ही हैं. सारे विधायक अपनी मर्जी से गुवाहाटी आए हैं और हम हिंदुत्व का मुद्दा आगे लेकर जा रहे हैं।

30 जून को लौटेंगे विधायक

उधर सूत्रों की मानें तो 30 जून को बागी विधायक मुंबई लौट सकते हैं. कहा जा रहा है कि मुंबई पहुंचने के बाद एकनाथ शिंदे राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मिल सकते हैं. वहीं %अविश्वास प्रस्ताव% लाने की अटकलों ने भी जोर पकड़ा है. दरअसल शिंदे ने सुप्रीम कोर्ट में दायर अपनी याचिका में कहा है कि महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन ने सदन में बहुमत खो दिया है, क्योंकि शिवसेना विधायक दल के 38 सदस्यों ने सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया है।

दिल्ली पहुंचे फडणवीस

इस बीच महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ शिवसेना के विधायकों द्वारा बगावत के बाद मची राजनीतिक उथल-पुथल के बीच, भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस एक वकील के साथ मंगलवार को दिल्ली के लिए रवाना हो गए. भाजपा के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने पहले कहा था कि वह मुंबई में फडणवीस के आधिकारिक आवास पर एक बैठक में शामिल हुए थे, जहां पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे।

इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 पर फुल बॉडी स्कैनर का ट्रायल शुरु

शरीर में सामान छिपाकर ले जाने वालों की खैर नहीं

नई दिल्ली। शरीर में सामान छिपाकर ले जाने वालों की खैर नहीं है। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड यानी डायल ने इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 पर फुल बॉडी स्कैनर का ट्रायल मंगलवार से शुरू कर दिया है। अभी यह व्यवस्था दुनिया के कुछ चुनिंदा एयरपोर्ट्स पर ही उपलब्ध है। फुल बॉडी स्कैनर से शरीर में छिपाए गए नॉन-मेटल ऑब्जेक्ट्स भी पकड़ में आते हैं। परंपरागत रूप से इस्तेमाल होने वाले डूर फ्रेम मेटल डिटेक्टर में ऐसी चीजों को पकड़ना मुश्किल

होता है। फुल बॉड स्कैनर एक ऐसा डेवाइस होता है, जिसमें फिजिकल कॉन्टैक्ट या पैसेंजर की प्राइवेसी का उल्लंघन किए बिना शरीर में छिपाई गई चीजों का आसानी से पता लगाया जा सकता है। डायल की ऑपरेटिंग कंपनी जीएमआर इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के अनुसार ट्रायल के लिए दिल्ली एयरपोर्ट के सिक्योरिटी चेक एरिया में फुल बॉडी स्कैनर लगाया है। यह ट्रायल रियल टाइम बेसिस में होगा। यानी पैसेंजर को सिक्योरिटी चेक के दौरान मशीन से गुजरना होगा। यह रिटल टाइम ट्रायल 45 से 60 दिन तक होगा। इस दौरान सभी स्टेकहोल्डर्स यानी ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन, सीआईएसएफ, डायल और पैसेंजरों के फीडबैक लिया जाएगा। ट्रायल के बाद इसके नतीजों को रेगुलेटरी संस्थाओं के साथ साझा कर फिर आगे की कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली एयरपोर्ट पर लगा नया एडवांस्ड बेस्ड स्कैनर एक मिलीमीटर वेव बेस्ड स्कैनर है।

गेंहू के बाद चावल के दामों में लगी आग, कई राज्यों में चावल के रेट बढ़े

नई दिल्ली। देश में लोगों पर महंगाई की मार आटा के बाद अब चावल पर भी पड़ने वाली है। देश के कई राज्यों में चावल भी महंगा हो चुका है। यूपी, बिहार और पश्चिम बंगाल में चावल के दामों में 10 प्रतिशत तक तेजी आ गई है। बता दें कि बांग्लादेश ने हाल ही में चावल पर आयात शुल्क में भारी कटौती करने का फैसला किया है। बांग्लादेश को डर है कि भारत गेहूं के बाद चावल के निर्यात पर भी रोक लगा सकता है। इसकारण बांग्लादेश चावल का घरेलू स्टॉक बढ़ाने के लिए भारत से आयात शुरू कर दिया है। दरअसल, बांग्लादेश ने पिछले दिनों चावल पर इंपोर्ट ड्यूटी और टैरिफ को 62.5 फीसदी से घटाकर 25 फीसदी कर

दी। इससे पहले भारत ने पिछले महीने ही गेहूं के निर्यात पर अंकुश लगा दिया था, जिससे निर्यातकों ने आटे का निर्यात बढ़ा दिया। इसका परिणाम यह हुआ कि भारतीय बाजारों में आटा के दामों में भी तेजी आई। अब बांग्लादेश के इस फैसले के बाद चावल के दाम भी बढ़ गए हैं। खासकर बासमती चावल के दाम में तेजी आ गई है। बता दें कि बासमती चावल की सबसे कम क्वालिटी 1509 रुपये प्रति क्विंटल होता है, जिसका रेट इस बार 3000 रुपये प्रति क्विंटल से उपर खुला है। पिछले कई दिनों से यह कयास लगाया जा रहा था कि भारत गेंहू के बाद चावल के भी एक्सपोर्ट पर बैन लगा सकता है। भारत द्वारा चावल के निर्यात पर रोक लगाने के फैसले की डर से ही बांग्लादेश ने चावल आयात करने का निर्णय लिया है। बता दें कि रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण दुनिया के कई देशों में अनाज की कमी आ गई है। बांग्लादेश में भी इस लड़ाई का असर दिखने लगा है।

खास खबर

केरल में कोरोना संक्रमण बढ़ा, राज्य सरकार ने प्रतिबंध लगाने का किया फैसला

तिरुवनंतपुरम। कोरोना महामारी के वायरस के संक्रमण बढ़ने और इससे संबंधित मौतों के बढ़ते आंकड़ों को देखते हुए केरल सरकार ने मंगलवार को प्रतिबंधों को सख्ती से लागू करने का फैसला किया। केरल सरकार ने आदेश में कहा कि जो लोग सार्वजनिक रूप से या वाहन में बैठे हुए मास्क नहीं पहनेंगे, उन पर जुर्माना लगाया जाएगा। इस महीने राज्य में कोरोना वायरस के कुल 27,218 पॉजिटिव मामले सामने आए हैं, जबकि 229 लोगों की मौत हुई है। पिछले कई दिनों में, नए मामलों की औसत संख्या 3,000 को पार कर गई। जिससे अधिकारियों को कोविड प्रोटोकॉल को सख्ती से लागू करना पड़ा।

गर्भवती पत्नी को तीन तलाक देकर घर से बाहर निकाला, वापसी के लिए जेठ से हलाला करने की शर्त

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से तीन तलाक का एक मामला सामने आया है, जहां एक शख्स ने अपनी गर्भवती पत्नी को तीन तलाक देकर घर से बाहर निकाल दिया। पीड़िता ने अपनी सारी आपबीती मां के सामने रखी जिसके बाद मां ने अपने रिश्तेदारों के साथ मिलकर विवाद को सुलझाने की कोशिश की। इस पर ससुराल वालों ने बहू को वापस लेने के लिए एक शर्त रखी दी। ससुराल वालों ने शर्त में कहा कि बहू को जेठ के साथ हलाला करना होगा और साथ ही 5 लाख नकद भी देना होगा। पीड़िता ने शर्ता मानने से इनकार कर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि ससुराल वालों ने शर्त रखी थी कि जेठ के साथ हलाला करने को कहा था और साथ ही 5 लाख नकद भी देने के लिए मजबूर किया गया। बता दें कि पीड़िता की शादी साल 2019 में सुफियान उर्फ बाबर के साथ हुई थी। लड़की वालों ने भरकर दहेज दिया था, लेकिन उसके बावजूद लड़क पक्ष खुश नहीं था और लगातार पैसे की डिमांड कर रहे थे। महिला का आरोप है कि ससुर, देवर, घर की दो महिलाओं के दबाव में उसके पति ने तलाक देकर बदसलूकी की। पीड़िता को घर से भी बाहर निकाल दिया गया। पुलिस ने ससुराल के सभी लोगों पर मुकदमा दर्ज कर दिया है।

मुंबई में इमारत गिरने से 12 लोगों की मौत, 14 लोग घायल, 11 लोगों को सुरक्षित निकाला गया

मुंबई। मुंबई के कुर्ला इलाके के नेहरू नगर में एक चार मंजिला इमारत के गिरने से 12 लोगों की मौत हो गई और 14 लोग घायल हो गए हैं. वहीं अभी तक 11 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है, जिन?हें अस?पताल में भर्ती कराया गया है. अभी भी इस मलबे में कुछ लोगों के दबे होने की खबर हैं. घटना सोमवार देर रात की है जब कुर्ला पूर्व, शिवसृष्टि रोड पर कुर्ला बस डिपो के पास चार मंजिला इमारत नाईक नगर कॉपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी गिर गई, बताया गया है कि इस इमारत में 20 से 25 परिवार रहते हैं. घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर मनपाकर्मी, फायर ब्रिगेड, एनडीआरएफ की एक टीम तथा स्थानीय पुलिस पहुंची और राहत व बचाव कार्य शुरू किया. इमारत के गिरने की सूचना के बाद पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे, मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल और मुंबई उपनगर के जिलाधिकारी भी मौके पर पहुंचे तथा राहत व बचाव कार्य का जायजा लिया. बहरहाल मुंबई तथा ठाणे जिले में बारिश के दौरान पुरानी इमारतें ढह जाती हैं और बड़े हादसे होते हैं। इस संबंध में प्रशासन चाहे कितनी भी सावधानी क्यों न बरत ले, हर साल इस तरह की घटनाये घट रही हैं।

सास को दामाद से हुआ प्यार, दोनों ने साथ-साथ खुदकुशी कर मौत को लगाया गले

बाड़मेर। राजस्थान के सीमावर्ती बाड़मेर जिले में एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। यहां एक शख्स को अपनी सास से प्यार हो गया। महिला भी दामाद को चाहने लगी और अब दोनों ने पेड़ पर एक साथ फांसी लगाकर जान दे दी। बाड़मेर के ग्रामीण थाना में सोमवार देर रात दो लोगों के साथ पेड़ पर फांसी लगाने की जानकारी मिली। मृतकों की शिनाख्त होताराम भील (25) निवासी केराव और दरिया (38) निवासी खरटिया के रूप में की गई है। पुलिस ने बताया कि घटना सोमवार देर रात की है। पुलिस ने बताया कि होताराम की शादी 1 साल पहले खरटिया निवासी नेमाराम की बेटी गीता (20) के साथ हुई थी। पुलिस ने बताया कि दो-तीन दिन पहले ही होताराम अपनी पत्नी गीता के साथ अपने ससुराल आया था। पुलिस ने बताया कि ससुराल में ही रहते हुए सोमवार को होताराम और उसकी सास दरिया किसी को बिना बताए घर से भाग गए। गांव से 30 किलोमीटर दूर बाड़मेर मुनाबाव मार्ग पर एक खेजड़ी के पेड़ से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

न्यूज़ ट्रैक....

यूगांडा के 41 वर्षीय खिलाड़ी फ्रैंक नसुबुगा ने चीते की फुर्ती से लपका मुश्किल कैच, दर्शक रह गए दंग

कंपाला । क्रिकेट के खेल में फुर्ती का योगदान खिलाड़ी के कौशल में चार चांद लगा देता है। यूगांडा में सीडब्ल्यू वैलेंज लीग रुपु-बी का दूसरा मैच में कुछ ऐसा ही देखने को मिला है। यूगांडा और केन्या के बीच मुकाबले में यूगांडा के 41 साल के खिलाड़ी फ्रैंक नसुबुगा ने ऐसा कैच लपका कि जिसने भी देखा, वो दंग रह गया। इस कैच का वीडियो खुद आईसीसी ने भी अपने ट्विटर हैंडल से शेयर किया है। इसमें केन्या के बल्लेबाज कॉलिन्स ओबुया क्रीज से आगे निकलकर शॉट लगाते हैं। लेकिन, गेंद बल्ले पर नहीं आती है और डीप मिडविकेट बाउंड्री की तरफ हवा में चली जाती है। 41 साल के फ्रैंक गेंद को पकड़ने के लिए पीछे की तरफ तेजी से दौड़ लगाते हैं। पहली नजर में तो शायद ही यह वीडियो देखकर किसी को लगे कि 41 साल का यह खिलाड़ी कैच लपक पाएगा। लेकिन, चीते सी तेज रफ्तार से दौड़ते हुए फ्रैंक ने नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया और हवा में गोता लगाते हुए कैच लपक लिया।

महिल

इंदौर पहुंचने पर रणजी ट्रॉफी विजेता टीम का किया भव्य स्वागत

इन्दौर । रणजी ट्राफी के इतिहास में पहली बार खिताब जीतने के बाद मध्य प्रदेश टीम सोमवार शाम इन्दौर पहुंची। विमानतल पर विजेता खिलाड़ियों का भव्य स्वागत हुआ। टीम की अगवानी के लिए इन्दौर संभागीय क्रिकेट संगठन के अध्यक्ष और भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय सहित शहर के अनेक खेल संगठनों से जुड़े पदाधिकारी और खिलाड़ी मौजूद थे। विमानतल पर हॉकी खिलाड़ीयों ने अपनी हॉकी उठाकर विजेता टीम के सम्मान में गार्ड ऑफ ऑनर दिया। विमानतल से बाहर आते ही टीम के कोच चन्द्रकांत पंडित को हार पहनाने और मिठाई खिलाने के लिए होड़ मच गई। टीम के प्रत्येक खिलाड़ी का मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया गया। यहां से टीम सीधे होलकर स्टेडियम के लिए रवाना हुई, जहां आतिशबाजी के बीच एमपीसीए के पदाधिकारियों ने मध्य प्रदेश की रणजी विजेता खिलाड़ियों का भव्य स्वागत हुआ। जैसे ही टीम होलकर स्टेडियम पहुंची, जोरदार आतिशबाजी शुरू हो गई,

ढोल-ढमाकों के बीच खिलाड़ी बस से उतरकर खिलाड़ी स्टेडियम पहुंचे। यहां पूरी टीम के विशेष रूप से स्वागत व सम्मान के लिए होलकर स्टेडियम में एमपीसीए द्वारा विशेष तैयारी की गई थी। मंच पर कोच चन्द्रकांत पंडित व विजेता खिलाड़ियों के साथ ही एमपीसीए के अध्यक्ष अभिलाष खांडेकर, सचिव सजीव राव, उपाध्यक्ष रमणीक सलूजा, कोषाध्यक्ष पवन जैन व संयुक्त सचिव सिंधियानी पाटनी, संजय जगदाले आदि पदाधिकारी मौजूद थे। अध्यक्ष खांडेकर ने टीम के कप्तान आदित्य श्रीवास्तव व अन्य साथियों को बधाई दी। उन्होने फरवरी 2020 में चन्द्रकांत पंडितजी को मध्य प्रदेश टीम के लिए प्रोफेशनल कोच नियुक्त करने का निर्णय लिया, कुछ विरोध भी हुआ, इसके बाद भी उन्हें कोच नियुक्त कर दिया गया। पदाधिकारियों सहित सभी ने इस बार रणजी ट्रॉफी जीतने का लक्ष्य तय कर लिया था। संजय जगदाले ने कहा कि कोच चन्द्रकांत पंडित और म.प्र. टीम को बधाई देते हुए कहा कि आपने हमारा सपना पूरा किया है, हमें गर्व है। इस मौके पर एमपीसीए के पूर्व अध्यक्ष व केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का बधाई संदेश को भी प्रदर्शित किया गया। टीम के कोच चन्द्रकांत पंडित ने कहा कि यह मरा छठवॉं रणजी ट्रॉफी खिताब है, लेकिन ऐसा सम्मान मैने किसी एसोसिएशन में नहीं देखा। इस दौरान उन्होने अपने कुछ संस्मरण साझा किये।

भारत के खिलाफ अंतिम टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम घोषित

लंदन । भारत के खिलाफ पिछले साल स्थगित हुई 5 मैच की टेस्ट सीरीज के आखिरी मुकाबले के लिए इंग्लैंड ने अपनी टीम घोषित कर दी है। यह मुकाबला एक जुलाई से बर्मिंघम में खेला जाएगा। बेन स्टोक्स की अगुवाई में टीम में 15 खिलाड़ियों को जगह मिली है। इस टीम में न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी टेस्ट में शामिल सभी खिलाड़ी हैं। सैम बिलिंग्स न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच के बीच में टीम से जुड़े थे। वह भी भारत के खिलाफ सीरीज के लिए टीम में हैं। इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज बेन फोक्स न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के तीसरे मैच में कोरोना संक्रमित हो गए थे। इसके बाद उन्हें मुकाबले से बाहर कर दिया गया है। इस मैच के लिए फोक्स को टीम में रखा गया है। उनकी जगह प्लेइंग इलेवन में शामिल किए गए विकेटकीपर सैम बिलिंग्स भी टीम में बरकरार हैं। अगर फोक्स फिट नहीं होते हैं तो बिलिंग्स एक बार फिर कीपर की भूमिका में दिखेंगे। 5 मैच की इस टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम 2-1 से आगे है। पिछले साल नॉटिंघम में खेला गया पहला टेस्ट मैच ड्रॉ रहा था। इसके बाद लॉर्ड्स में हुए दूसरे मुकाबले को भारतीय टीम ने 151 रनों के अंतर से जीता। सीरीज में 1-0 से पिछड़ने

के बाद इंग्लिश टीम ने जोरदार वापसी करते हुए तीसरा मैच पारी और 76 रनों से जीता था। चौथे मैच में भारतीय टीम ने पलटवार किया और 157 रनों से जीत हासिल कर सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली। भारत को इंग्लैंड में आखिरी टेस्ट सीरीज जीत 2007 में मिली थी। तब राहुल द्रविड़ की कप्तानी में टीम इंडिया ने 3 मैच की सीरीज को 1-0 से अपने नाम किया था। अगर इस मैच को भारतीय टीम ड्रॉ भी करा देती है तो सीरीज को जीत लेगी।

इंग्लैंड टीम- बेन स्टोक्स (कप्तान), जो रूट, जॉनी बेयरस्टो, जेम्स एंडरसन, स्टुअर्ट ब्रॉड, हैरी ब्रूक, सैम बिलिंग्स, जैक क्रॉली, बेन फॉक्स, जैक लीच, ओली पोप, एलेक्स लीस, मैथ्यू पॉट्स, क्रेग ओवर्टन, जेमी ओवर्टन।

हॉकी टीम में पेनल्टी कॉर्नर के कई विशेषज्ञों के उभरने से भारतीय टीम बेहतर स्थिति में : संदीप सिंह

नई दिल्ली । भारत के राष्ट्रीय खेल हॉकी को लेकर ड्रैग फ्लिक की 'मुश्किल कला' के महारथी पूर्व कप्तान संदीप सिंह को काफी उम्मीद है उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय टीम में पेनल्टी कॉर्नर के कई विशेषज्ञों के उभरने से आने वाले अहम टूर्नामेंटों में भारतीय टीम बेहतर स्थिति में है। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों-2022 में भारतीय टीम में हरमनप्रीत सिंह, वरुण कुमार और अमित रोहिदास जैसे बेहतरीन ड्रैग फ्लिकर हैं। वहीं संजय, अरिजीत सिंह हुंदल और सुदीप चिरमाको जैसे जूनियर प्रतिभाशाली खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में जगह मिलने का इंतजार कर रहे हैं। संदीप ने कहा, 'ड्रैग-फ्लिक मुश्किल कौशल है जिसमें में महारत हासिल करने के लिए कई साल के अभ्यास की जरूरत होती है। यह काफी तकनीकी चीज है, जहां आपको शारीरिक ताकत के साथ आपके हाथ तेज चलने चाहिए,' उन्होंने आगे कहा, 'ड्रैग-फ्लिक में विकल्प होने से किसी भी टीम को फायदा होता है और हम भाग्यशाली हैं कि हमारे पास अब टीम में कई पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ हैं। इससे टीम में विविधता आती है। हरमनप्रीत एक विश्व स्तरीय ड्रैग-फ्लिकर हैं।'

अपने समय में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ड्रैग फ्लिकरों में शामिल संदीप ने कहा कि मनप्रीत की कप्तानी वाली मौजूदा टीम के पास बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक का इंतजार खत्म करने का माद्दा है। कुआलालंपुर (1998) राष्ट्रमंडल खेलों में हॉकी को शामिल करने के बाद से ऑस्ट्रेलिया ने सभी 6 स्वर्ण पदक अपने नाम किए हैं। भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2010 दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों और 2014 ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतना है। संदीप ने एक कार्यक्रम में कहा, 'भारतीय हॉकी ने काफी विकास किया है। टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीत कर टीम ने पुरानी साख को फिर से हासिल किया। अगर आप मुझसे पूछे तो मैं मानता हूं कि हम राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण जीत सकते हैं।'

बुडापेस्ट हंगरी में 19वीं फिना विश्व चैंपियनशिप में पुरुषों की 5 किमी रेस के लिए पानी में जंप करते एथलीट।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में वापसी कर सकते हैं रोहित शर्मा

लंदन । भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा लीसेस्टरशायर के खिलाफ अभ्यास मैच के दौरान कोरोना संक्रमित हो गए थे। भारत को एक जुलाई से इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच खेलना है। पिछले साल स्थगित हुई सीरीज के आखिरी मुकाबले में पहले रोहित का संक्रमित होना भारतीय टीम के लिए बड़ी मुसीबत बन गई है। रोहित के संक्रमित होने के बाद बीसीसीआई के सामने कप्तान चुनने का सिरदर्द पैदा हो गया है। इस बीच, भारतीय कप्तान ने सोशल मीडिया पर अपनी स्थिति को लेकर बड़ा हिंट दिया है। उन्होंने अपनी हंसते हुए फोटो इंस्टाग्राम स्टोरी में शेयर की है। जिसमें उन्होंने थम्स अप किया हुआ है। उनके हाव-भाव से लग रहा है कि वह अच्छा महसूस कर रहे हैं। उनके इस पोस्ट के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि रोहित इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले टेस्ट मैच से पहले फिटनेस हासिल कर लेंगे। रोहित शर्मा भारतीय टीम के कप्तान होने के साथ ही महत्वपूर्ण बल्लेबाज हैं।

व्यापारन्यूज

राज्यों में 2 लाख का सोना ले जाने ई-वे बिल हो सकता है जरूरी

नई दिल्ली । जीएसटी काउंसिल की 28 जून को चंडीगढ़ में होने वाली बैठक में दो लाख रुपये एवं उससे अधिक मूल्य के सोने या कीमती पत्थरों की राज्यों के बीच आवाजाही के लिए ई-वे बिल और ई-चालान अनिवार्य किया जा सकता है। यह व्यवस्था सालाना 20 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार करने वाली कंपनियों के लिए होगी। वर्तमान में 50 करोड़ रुपये से अधिक के कारोबार वाले व्यवसायों को बी2बी लेनदेन के लिए अनिवार्य रूप से ई-चालान जेनरेट करना होता है। हालांकि, यह शर्त सोने और कीमती पत्थरों पर लागू नहीं होती है। पिछले कुछ महीनों में जीएसटी संग्रह में वृद्धि हुई है, लेकिन यह वृद्धि लंबी अवधि के झटके के बाद आई है, खासकर महामारी द्वारा बनाई गई मंदी के कारण।इसके अलावा बैठक में राज्यों को क्षतिपूर्ति की व्यवस्था के साथ कुछ वस्तुओं की टैक्स रेट में बदलाव और छोटे ई-कॉमर्स सप्लायर्स को पंजीकरण नियमों में राहत देने जैसे मुद्दों पर विचार हो सकता है।

विदेशी निवेशकों ने फिर पूंजी निकाली

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशकों की धन निकासी का सिलसिला टूट नहीं रहा है। पिछले सत्र में भी विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बाजार से 1,278.42 करोड़ रुपए के शेयर बेचकर पैसे निकाल लिए। विदेशी निवेशकों ने जून में ही अब तक करीब 48 हजार करोड़ की पूंजी बाजार से निकाली है। हालांकि, पिछले सत्र में में घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 1,184.47 करोड़ रुपए का निवेश किया जिससे बाजार ने बढ़त बनाई।

इंडियाबुल्स रियल एस्टेट मुनाफाखोरी का दोषी :एनएए

नई दिल्ली । राष्ट्रीय मुनाफाखोरी-रोधी प्राधिकरण (एनएए) ने इंडियाबुल्स रियल एस्टेट को 6.46 करोड़ रुपए से अधिक के इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ घर खरीदारों को नहीं देने का दोषी पाया है। एनएए ने पाया कि जीएसटी लागू होने के बाद कीमतों में हुई कमी का लाभ घर खरीदारों को नहीं दिया गया। एक घर खरीदार द्वारा दायर याचिका पर मुनाफाखोरी-रोधी महानिदेशालय (डीजीएपी) ने मामले की जांच की और बिल्डर को मुनाफाखोरी का दोषी पाया। घर खरीदार ने आरोप लगाया था कि इंडियाबुल्स रियल एस्टेट ने विशाखापत्तनम में स्थित सिएरा-विजाग परियोजना में आईटीसी लाभ नहीं दिया। एनएए ने 24 जून के अपने आदेश में कहा कि उक्त धनराशि 18 प्रतिशत की दर से ब्याज के साथ घर खरीदारों को वापस की जाए।

सेंसेक?स 300 अंक गिरा, निफ्टी 15,800 पर

मुंबई । वैश्विक बाजारों से मिले खराब संकेतों की वजह से मंगलवार के कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार ने तीन लगातार सत्र से जारी बढ़त गंवा दी और सेंसेक्स एवं निफ्टी नुकसान के साथ खुले। कारोबार शुरू होने के कुछ देर बाद ही सेंसेक्स 53 हजार से नीचे उतर आया। सेंसेक्स ने मंगलवार सुबह 335 अंकों की गिरावट के साथ 52,826 पर खुलकर कारोबार शुरू किया जबकि निफ्टी 75 अंकों के नुकसान के साथ 15,757 पर खुला। बाजार के जानकारों का कहना है कि निवेशकों पर वैश्विक बाजार के दबाव का असर साफ देखा जा रहा और शुरुआत से ही बाजार में मुनाफावसूली दिखी, जिससे सेंसेक्स 300 अंकों की गिरावट के साथ 52,861 पर जबकि निफ्टी 96 अंक लुढ़ककर 15,736 पर आ गया। निवेशक शुरुआत से ही एशियन पेंट, टाइटन, टेक महिंद्रा, बजाजा आटो, अदानी पोर्ट और हिंडाल्को जैसी कंपनियों के शेयरों की बिकवाली कर रहे थे। वहीं दूसरी ओर ओएनजीसी, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा स्टील, एमएंडएम और बीपीसएल जैसी कंपनियों के शेयरों में खूब खरीदारी हुई और ये स्टॉक्स टॉप गेनर की सूची में चले गए। ब्चीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप पर भी 0.5 फीसदी की गिरावट दिख रही है।

कारोबार में शुरुआत से ही फाइनेंशियल, कंज्यूमर ड्यूरेबल, आईटी और फार्मा सेक्टर दबाव

में दिख रहे थे. इन सेक्टर्स में सबसे ज्यादा गिरावट आई है। ऑयल गैस और पीएसबी को छोड़कर आज सभी सेक्टर लाल निशान पर कारोबार कर रहे हैं। एशिया के ज्यादातर बाजार आज सुबह बढ़त पर खुले और हरे निशान पर कारोबार कर रहे हैं, जबकि कुछ में गिरावट दिख रही है। सिंगापुर स्टॉक एक्सचेंज सुबह 0.01 फीसदी की मामूली गिरावट पर कारोबार करता दिखा, जबकि जापान के निक्केई पर 0.48 फीसदी की तेजी दिख रही है. ताइवान का बाजार भी 0.23 फीसदी के नुकसान पर कारोबार करता दिख रहा है । हालांकि, दक्षिण कोरिया के कॉस्पी पर 0.52 फीसदी का उछाल है और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.05 फीसदी गिरावट पर कारोबार कर रहा है।

अमेरिकी शेयर बाजारों में गिरावट रही

मुंबई (। अमेरिका के शेयर बाजारों में एक बार फिर गिरावट दिखने लगी है। फेड रिजर्व ने जुलाई की शुरुआत में ब्याज दरें बढ़ाने का संकेत दिया है, जिससे निवेशकों का भरोसा कम हो गया है और मंदी की आशंका भी डरा रही है। ऐसे में अमेरिका के प्रमुख स्टॉक एक्सचेंज नेस्डेक पर पिछले कारोबारी सत्र में गिरावट दिखी और बाजार 0.72 फीसदी टूटकर बंद हुआ। अमेरिका की तर्ज पर यूरोपीय बाजारों में भी उतार-चढ़ाव दिखा है। यूरोप के प्रमुख शेयर बाजार में शामिल जर्मनी का स्टॉक एक्सचेंज पिछले सत्र में 0.52 फीसदी चढ़कर बंद हुआ तो फ्रांस का शेयर बाजार 0.43 के नुकसान पर बंद हुआ. हालांकि, लंदन स्टॉक एक्सचेंज पर भी 0.69 फीसदी की वृद्धि दिखी।

46752 रुपए में 22 कैरेट 10 ग्राम सोना

नई दिल्ली । वैश्विक बाजारों में कीमती धातुओं में दबाव की वजह से सर्राफा बाजारों में मंगलवार को सोने-चांदी के भाव में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। चांदी जहां शुक्रवार के बंद भाव 60932 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 344 रुपए प्रति किलो सस्ती हुई है तो वहीं सोने के भाव में 55 रुपए प्रति 10 ग्राम की कमी हुई है। इंडिया बुलियंस एसोसिएशन द्वारा जारी हाजिर के मुताबिक सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट शुद्ध सोना 51039 रुपए प्रति 10 ग्राम के रेट से खुला। वहीं चांदी 60488 रुपए प्रति किलो के रेट पर खुली। 24 कैरेट सोने पर 3 फीसद जीएसटी जोड़ लें तो इसकी कीमत 52570 रुपए होने जा रही है, वहीं ज्वैलर का 10 फीसद मुनाफा जोड़ने के बाद सोने का भाव 57827 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच जा रहा है। जीएसटी के बाद चांदी की कीमत 62302 रुपए प्रति किलो हो गई है। इसमें ज्वैलर का 10 से 15 फीसद मुनाफा अलग से है। यानी 10 फीसद मुनाफा लेकर ज्वैलर करीब 68532 रुपए में देगा। अब सोना अपने उच्चतम रेट से 5087 रुपए प्रति 10 ग्राम सस्ता मिल रहा है तो चांदी अपने दो साल पहले के उच्च दाम से 15512 रुपए सस्ती है। वहीं 18 कैरेट गोल्ड की कीमत अब 38279 रुप, प्रति 10 ग्राम है। यह 3 फीसद जीएसटी के साथ 39427 रुपए प्रति 10 ग्राम का पड़ेगा। ज्वैलर का 10 पर्सेंट मुनाफा जोड़कर यह 43370 रुपए का पड़ेगा। अब 14 कैरेट सोने का भाव 29858 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है।

सीनियर सिटीजन के लिए सेविंग स्कीम बेहतर, मिलता है बैंक से ज्यादा रिटर्न

नई दिल्ली । अगर आप सीनियर सिटीजन हैं और अच्छे रिटर्न के साथ बेहतर सेविंग्स स्कीम चाहते हैं तो पोस्ट ऑफिस सीनियर सिटीजन स्कीम आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकता है. पोस्ट ऑफिस की स्कीम होने के नाते इसमें आपका पैसा सुरक्षित रहता है। इस स्कीम का नाम है पोस्ट ऑफिस सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम। इस स्कीम में आपको बैंक के मुकाबले ज्यादा रिटर्न भी मिलता है। पोस्ट ऑफिस की इस स्कीम में निवेश करने के लिए आपकी उम्र 60 साल से ज्यादा होनी चाहिए। 55 वर्ष से अधिक और 60 वर्ष से कम आयु के सेवानिवृत्त सिविलियन कर्मचारी, सेवानिवृत्ति लाभ प्राप्त होने के एक महीने के भीतर निवेश कर सकते हैं। 50 वर्ष से अधिक और 60 वर्ष से कम आयु के सेवानिवृत्त रक्षा कर्मचारी भी सेवानिवृत्ति लाभ प्राप्त होने के एक महीने के भीतर निवेश कर सकते हैं। इस सेविंग स्कीम के तहत सिर्फ 1000 रुपए में अकाउंट खोला जा सकता है। इस स्कीम में ज्यादा से ज्यादा 15 लाख रुपए तक निवेश कर सकते हैं। इस स्कीम में निवेश पर इनकम टैक्स कानून 1961 के सेक्शन 80सी के तहत टैक्स छूट ले सकते हैं। पोस्ट ऑफिस इस स्कीम पर ग्राहकों को 7.4 फीसदी ब्याज दर ऑफर करता है। इस स्कीम में आप 5 साल की अवधि के लिए निवेश कर सकते हैं। आप 10 लाख रुपए का निवेश करते हैं तो आपको 7.4 फीसदी की दर से 5 साल बाद 14,28,964 रुपए का रिटर्न मिलता है।

देश का डायमंड कारोबार प्रभावित, 50 हजार कारीगर बेरोजगार

मुंबई । रूस और यूक्रेन युद्ध की वजह से भारत का डायमंड उद्योग बुरी तरह प्रभावित हुआ है। देश में डायमंड उद्योग का प्रमुख केंद्र गुजरात का सूरत शहर है, जहां उद्योगों के ठप होने 50 हजार से ज्यादा कारीगर बेरोजगार हो गए हैं। भारत का हीरा उद्योग पूरी तरह आयात पर टिका हुआ है। सूरत में 65 फीसदी रफ डायमंड का आयात सिर्फ रूस से होता है। यूक्रेन के साथ युद्ध के बाद रूस से कमोडिटी का आयात बुरी तरह प्रभावित हुआ, जिसमें हीरे का आयात भी शामिल है। युद्ध के बाद से अब तक देश में रफ डायमंड का आयात 29 फीसदी घट गया है, जिससे 50 हजार से ज्यादा कारीगर बेरोजगार हो गए।

श्रीलंका में आर्थिक संकट गहराया, ईंधन की बिक्री पर लगी रोक

नई दिल्ली । आर्थिक तंगी से जूझ रहे श्रीलंका में अब आवश्यक सेवाओं को छोड़कर बाकी किसी को ईंधन नहीं बेचा जाएगा। सरकार के एक प्रवक्ता ने इसकी घोषणा की है। खबरों के अनुसार, श्रीलंकाई सरकार के पास 9,000 टन डीजल और 6,000 टन पेट्रोल बचा है। वहीं श्रीलंका में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की लोकल यूनिट ने बताया है कि उसके पास 22,000 टन डीजल और 7,500 टन पेट्रोल बचा है। गौरतलब है कि श्रीलंका अपनी ट्रांसपोर्ट जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिदिन 5,000 टन डीजल और 3,000 टन पेट्रोल का इस्तेमाल करता है। आईओसी श्रीलंका को उम्मीद है कि 13 जुलाई तक कुल 30,000 टन पेट्रोल और डीजल की शिपमेंट उसके पास पहुंच जाएगी। इसके अलावा श्रीलंकाई सरकार को कहीं से ईंधन की खेप की कोई उम्मीद नहीं

है। देखा जाए तो श्रीलंकाई सरकार के स्टॉक में केवल 4-5 दिन का ईंधन बचा है। बताया जा रहा है कि यह ईंधन अस्पतालों को दिया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय ईंधन कंपनियों का कहना है कि वह श्रीलंका को स्थानीय बैंक की गारंटी के आधार पर ईंधन नहीं बेच सकती हैं। ऋणों का भुगतान नहीं कर पाने के कारण इन कंपनियों ने श्रीलंका को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है। कंपनियों का कहना है कि वह श्रीलंका को ईंधन केवल अंतरराष्ट्रीय गारंटी पर ही देंगी। श्रीलंका के विद्युत प्राधिकरण ने कहा है कि वह ईंधन के आखिरी स्टॉक्स का इस्तेमाल कर रही है। श्रीलंका के पब्लिक यूटिलिटीज कमीशन के चेयरमैन जनका रतनायके के अनुसार देश में पावर कट 3-4 घंटे का ही रखे जाने का प्रयास किया जा रहा है लेकिन हालात को देखते हुए इसमें आगे बदलाव हो सकता है। श्रीलंका के उच्चायुक्त मिलिंडा मोरागोडा पेट्रोल और डीजल आपूर्ति तत्काल प्राप्त करने की संभावना पर हाल ही में भारत के पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी से बातचीत की। इस पर केंद्रीय मंत्री ने उन्हें सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। बता दें कि भारत ने श्रीलंका को करीब 4 अरब डॉलर की आर्थिक मदद दी है।

रुपया डॉलर के मुकाबले 78.59 पर

मुंबई । विदेशी कोषों की लगातार बिकवाली के चलते निवेशकों की भावना कमजोर होने से रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार के दौरान 22 पैसे की गिरावट के साथ 78.59 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोर रुख के साथ 78.53 पर खुला। बाद में स्थानीय मुद्रा और कमजोर होकर 78.59 पर आ गई, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 22 पैसे की गिरावट दर्शाता है। यह डॉलर के मुकाबले रुपए का अब तक का सबसे निचला स्तर है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 78.37 पर बंद हुआ था। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 1.20 प्रतिशत बढ़कर 116.47 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर पहुंच गया। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत की गिरावट के साथ 103.92 पर था।

यह सभी के लिए एक अनिश्चित समय है: लीजा मलिक

अभिनेत्री लीजा मलिक अपने कोरोना संक्रमित कर्मचारियों की मदद करने के लिए शहर में हैं। लीजा ने कहा, यह सभी के लिए एक अनिश्चित समय है। चीजें बहुत से लोगों के लिए खराब हो रही हैं। हमारे पास लगभग 50 कर्मचारी हैं जिनका परीक्षण पॉजिटिव आया है। यह समय है जब हमें उनके लिए खड़ा होना है और मैं पीछे नहीं हट रही हूं।

लीजा ने कहा कि वह अपने बिजनेस पार्टनर के साथ आईसीयू बेड और कुछ और लोगों के लिए जरूरी चीजें मुहैया करा रही है और उनकी आर्थिक या भावनात्मक रूप से सहायता कर रही हैं।

उन्होंने कहा, हम सब इसमें एक साथ हैं और मजबूत बने रहेंगे। मैं सभी से अनुरोध करती हूं कि सभी एसओपी का पालन करें और खुद का ख्याल रखें। अगर कोई जरूरी काम न हो तो घर के अंदर रहें।

मल्टीटेलेंटेड लीजा मलिक जो एक्ट्रेस, मॉडल, डांसर व सिंगर हैं और हमेशा अपने गानों को लेकर चर्चा में रही हैं। उनका म्यूजिक वीडियो एल्बम 'बेबी तेरा फ्रॉड रोमांस'काफी पसंद किया गया।

लीजा का मीका के साथ मेरा एक म्यूजिक वीडियो आया था 'सिंपली लीजा'। यह 'पिया-पिया, ना लागे मोरा जिया'का रीमिक्स था, जिसमें म्यूजिक भी मीका ने ही दिया था। लीजा डांस में जेनिफर लोपेज से इंस्पायर हैं। लीजा ने बुगी-वुगी एक शो आता था, उसमें हिस्सा लिया। उस समय वह आठवीं क्लास में थी और उन्हें फर्स्ट प्राइज मिला। फिर धीरे-धीरे उनका एक्टिंग की तरफ रूझान बढ़ा और दूरदर्शन के काफी सारे सीरियल किए। लीजा को इंडस्ट्री में मैं श्रीदेवी और गोविंदा सबसे अच्छे डांसर लगते हैं। लीजा का एक म्यूजिक वीडियो 'टिप-टिप बरसा पानी' इंडिया का आज तक का रिकॉर्ड ब्रेकिंग म्यूजिक वीडियो है।

सपना चौधरी ने लेटेस्ट फोटोशूट से बटोरीं सुर्खियां, साड़ी में ढाया कहर

मशहूर हरियाणवी डांसिंग चीन और सिंगर सपना चौधरी हमेशा सुर्खियों में बनी रहती हैं। उनके सितारे शादी के बाद भी इन दिनों बुलंदियों पर हैं। सपना के लटके-झटके हरियाणा ही नहीं बल्कि देश भर में पसंद किए जाते हैं। सपना खुद भी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। अब उन्होंने एक बार फिर कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं, जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। इन तस्वीरों में सपना चौधरी साड़ी पहने नजर आ रही हैं। साड़ी में एक्ट्रेस का देसी अंदाज फैंस को दीवाना बना रहा है। वे काफी सुंदर लग रही हैं। फोटो में सपना चौधरी ने फूलों की प्रिंट वाली गुलाबी रंग की साड़ी और स्लीवलेस ब्लैक ब्लाउज पहना हुआ है। साड़ी में सपना चौधरी काफी खूबसूरत पोज दे रही हैं। सपना चौधरी के वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में तीन गाने रिलीज हुए हैं घुंघरू, स्लेट बरती और घाघरा। इन गानों में सपना अपने पुराने वाले अंदाज में नजर आ रही हैं।

सुपर डांसर चैप्टर 4 में ये अभिनेत्री करेंगी शिल्पा शेट्टी की रिप्लेस

बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी को टीवी डांस रियलिटी शो सुपर डांसर चैप्टर 4 में अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा ने उनको रिप्लेस कर दिया है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी सुपर डांसर चैप्टर 4 में जज की कुर्सी को अब बॉलीवुड की अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा संभालेंगी। बीते दिनों महाराष्ट्र में कोरोना वायरस की वजह से लॉकडाउन लगा हुआ है। ऐसे में टीवी डांस रियलिटी शो को सुपर डांसर चैप्टर 4 को रिलोकेट किया है। जहां पर इस शो की शूटिंग की जाएगी। ऐसे में अब खबरें आ रही है कि, अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी की कुर्सी अब मलाइका अरोड़ा ने छीन ली है और वहीं अब इस शो में बतौर जज के रूप में नजर आएंगी। खबरों के अनुसार कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों की वजह से टीवी रियलिटी शो में ना सिर्फ अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी बल्कि निर्देशक अनुराग बसु ने भी ब्रेक ले लिया है। ये दोनों ही कलाकार अपने पर्सनल कारणों की वजह से इस टीवी रियलिटी शो को छोड़ दिया।

नेहा कक्कड़ और रोहनप्रीत एक बार फिर साथ में मचाएंगे धमाल

बॉलीवुड सिंगर नेहा कक्कड़ और रोहनप्रीत सिंह की जोड़ी एक बार फिर साथ में धमाल मचाने के लिए तैयार है. नेहू द व्याह और ख्याल रखया कर गाने के बाद दोनों एक फिर साथ में म्यूजिक वीडियो में नजर आने वाले हैं. नेहा और रोहन ने अपने आने वाले नए गाने की अनाउंसमेंट पोस्टर के साथ कर दी है. इस पंजाबी गाने का नाम 'खढ़ तैनू मैं दस्सा' है. नेहा कक्कड़ ने पोस्टर शेयर करते हुए लिखा- आपकी नेहू और मेरे रोहनप्रीत के गाने खढ़ तैनु मैं दस्सा का पहला पोस्टर. इस गाने के पोस्टर में दोनों स्पोर्टी लुक में नजर फुटबॉल ग्राउंड में नजर आ रहे हैं. पोस्टर पर नेहा कक्कड़ वर्सेज रोहनप्रीत सिंह लिखा है. नेहा के फैंस को उनके नए गाने का पोस्टर काफी पसंद आ रहा है. इस पोस्ट को 4 लाख से ज्यादा लाइक कर चुके हैं. इस पोस्ट पर नेहा के भाई टोनी कक्कड़ ने कमेंट किया- इसका लंबे समय से बेसब्री से इंतजार कर रहा था. ओहह ये गाना और इसका वीडियो. नेहा के एक फैन ने कमेंट किया- हमेशा की तरह बहुत खूबसूरत. इस गाने को नेहा और रोहनप्रीत ने गाया है. कप्तान ने लिरिक्स लिखे हैं और म्यूजिक वीडियो को अगम-अजीम ने डायरेक्ट किया है. नेहा कक्कड़ और रोहनप्रीत ने अपने दूसरे गाने खयाल रखया कर की अनाउंसमेंट के साथ सोशल मीडिया पर धमाल मचा दिया था. नेहा के शादी के दो महीने बाद बेबी बंप के साथ तस्वीर शेयर की थी. जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थी. फिर बाद में उन्होंने बताया था कि यह बेबी बंप उनके गाने का हिस्सा है. नेहा कक्कड़ इन दिनों सिंगिंग रिएलिटी शो इंडियन आइडल 12 में बतौर जज नजर आ रही हैं. वह हर हफ्ते शो में कंटेस्टेंट के साथ मस्ती करती नजर आती हैं. हाल ही में नेहा ने शो से छुट्टी लेकर अपनी 6 मंथ स्पेशल एनिवर्सरी मनाई थी. उन्होंने इस खास मौके पर रोहनप्रीत के साथ तस्वीरें शेयर करके लिखा था-हर दिन ये मेरा दिल जीत लेता है।

वर्क फ्रॉम होम के दौरान इन बातों का रखें खयाल, हो सकती है ये बीमारी

कोरोनावायरस की वजह से ज्यादातर लोग अपने घर से काम कर रहे हैं. जिसकी वजह से लोग घंटों एक जगह पर बैठकर काम करते रहते हैं. इसका सीधा असर हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है. घंटों एक जगह बैठकर काम करने से गर्दन, पीठ, कमर और पैर की मांसपेशियों में दर्द की समस्या होती है. वर्क फ्रॉम होमे के दौरान कई लोग शारीरिक और मानसिक बदलाव महसूस कर रहे हैं. कुछ लोग जहां मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं. वहीं कुछ लोग ओवरईटिंग और अनहेल्दी स्नैक्स से अपनी आदत बिगाड़ रहे हैं. जिसका असर उनके स्वास्थ्य पर पड़ रहा है.

वजन बढ़ना

लॉकडाउन में हर किसी का वजन बढ़ता है. क्योंकि इस समय आप कोई भी एक्टिविटी नहीं करते हैं. अनहेल्दी फूड खाने की वजह से वजन बढ़ जाता है. इसलिए जरूरी है कि आप घर पर कुछ देर व्यायाम जरूर करें. हेल्दी खाना खाएं और पूरी नींद लें. इससे आपका वजन नहीं बढ़ेगा. एक्सरसाइज करने की वजह से तनाव से भी दूर रहेंगे. इसके अलावा योग भी कर सकते है.

मांसपेशियों और पीठ में दर्द

घंटों एक जगह बैठने की वजह से पीठ दर्द की समस्या से गुजरना पड़ता है. आप सही पॉश्चर में 90 डिग्री के एंगल पर बैठें. इससे आपको पीठ दर्द की समस्या नहीं होगी. इसके अलावा कुछ घंटों पर स्ट्रेचिंग जरूर करें. काम के दौरान ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं ताकि आपका शरीर हाइड्रेटेड रहें.

डीप वेन थ्रोम्बोसिस (डीवीटी)

कई घंटों तक एक ही जगह बैठने से आप डीप वेन थ्रोम्बोसिस यानी डीवीटी का शिकार हो सकते हैं जिसकी वजह से आपकी जान भी जा सकती है. इस बीमारी में आपके पैरों की नसों में खून के थके जमने लगते है जिसकी वजह से पैरों में दर्द और सूजन होने लगती है. ज्यादातर लोग इसके लक्षणों को अनदेखा कर देते हैं. शरीर में खून जमने के कारण ऑक्सीजन की कमी हो जाती है. जिसकी वजह से मौत तक हो सकती है.

कंप्यूटर सिंड्रोम

लैपटॉप पर घंटों काम करने से लोग कंप्यूटर सिंड्रोम का शिकार हो रहे हैं. इसकी सीधा असर आपकी आंखों पर पड़ता है.

इन बातों का रखें ध्यान

काम के दौरान हर थोड़ी- थोड़ी देर में वॉक करें. इससे पीठ और पैरों में दर्द नहीं होगा.लैपटॉप और अपनी आंखों के बीच एक फीट की दूरी बनाकर रखें. अगर आप लंबे समय से काम कर रहे हैं तो थोड़ा ब्रेक लेकर दूसरी चीजों पर ध्यान दें. लैपटॉप पर काम करने के दौरान बीच- बीच में आंखों पर पानी के छिटे मारे।

आर्या की रिलीज के 17 साल होने पर अल्लू अर्जुन ने फिल्म को बताया बेहद खास

तेलुगु सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की सुपरहिट आर्या ने शुक्रवार को अपनी रिलीज के 17 साल पूरे कर लिए। इस अवसर पर अभिनेता ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में याद किया कि कैसे फिल्म ने उनके पूरे करियर को ही बदल दिया था। अल्लू अर्जुन ने कहा, इस फिल्म ने बहुत सारे लोगों के जीवन को बदल दिया। इसने एक अभिनेता के रूप में मेरे जीवन का ढंग ही बदल दिया। इसने एक निर्देशक के रूप में सुकुमार गारू का जीवन, एक प्रोड्यूसर के तौर पर डीआईएल राजू गारू का जीवन, एक संगीतकार के रूप में डीएसपी का जीवन, एक डीओपी के रूप में रत्नावेलु साहू, एक वितरक के रूप में बन्नी वासू और अन्य कई लोगों के जीवन को बदल दिया। इसलिए हम सभी इस एक मैजिक के लिए आभारी हैं, जो आर्या के तौर पर हमारे जीवन में आया। 2004 में रिलीज हुई फिल्म अर्जुन की 2003 में गंगोत्री के बाद एक एकल नायक (सोलो हीरो) के तौर पर दूसरी फिल्म थी। आर्या एक रोमांटिक एक्शन फिल्म है, जो सुकुमार द्वारा निर्देशित है और इसमें अनु मेहता ने भी अभिनय किया है। इसे मलयालम में भी इसी नाम से डब और रिलीज किया जा चुका है।

गर्मी के मौसम में गर्भवती महिलाएं इस तरह रखें खयाल, जानें टिप्स

प्रेगनेंसी के दौरान महिला के शरीर में कई तरह के हार्मोनल बदलाव आते हैं जिसकी वजह से उसे काफी परेशानी झेलनी पड़ती है. वहीं अगर प्रेगनेंसी के दौरान गर्मी का मौसम हो, तो इसके लक्षण और ज्यादा तकलीफ देने लगते हैं और महिला को भूख की कमी, गैस, एसिडिटी, मितली, उल्टी जैसी समस्याएं होने लगती हैं जिसकी वजह से कमजोरी महसूस होती है और गुस्सा, इरिटेशन, चिड़चिड़ाहट आदि दिक्कतें बढ जाती हैं. यहां आपको बताते हैं ऐसे तरीके जिन्हें अपनाने से गर्मी के मौसम में कुछ राहत मिल सकती है.

1. गर्मी में अक्सर शरीर में पानी की कमी हो जाती है, जिससे कई तरह की समस्याएं बढ़ती हैं. आप इससे बचने के लिए खूब पानी पिएं और छाछ, नारियल पानी, जूस आदि लिक्विड डाइट लेती रहें.

2. खाने में ज्यादा से ज्यादा पानीदार सब्जियां जैसे लौकी, तोरई, टमाटर, खीरा आदि खाएं. सलाद खूब खाएं. रस वाले फलों का सेवन करें.

3. गर्मी कि वजह से आपको बहुत थकान हो रही हो, तो अपने पति या परिवार के सदस्यों को घर के कामों में आपकी मदद करने के लिए कहें. कोशिश करें ज्यादा से ज्यादा काम सुबह के समय निपटा लें.

4. अगर आपका कमरा गर्म रहता है तो इसे ठंडा करने के लिए अपने कमरे में पर दिनभर पर्दे बंद करके रखें, ताकि सूरज की सीधी रोशनी न पड़े. आप चाहें तो अपने घर की बालकनी, बरामदे, दरवाजों और खिड़कियों पर चिक लगा सकती हैं.

5. ढीले और सूती कपड़े पहनें ताकि शरीर को हवा लगती रहे. पॉलिस्टर मिक्स और सिंथेटिक फाइबर वाले कपड़े पहनने से बचें. हल्के रंग के कपड़ों का चुनाव करें. दिन में कम से कम दो बार नहाएं.

6. स्प्रे बोतल में दो हिस्से गुलाब जल और एक हिस्सा सादा फिल्टर पानी का मिश्रण भरकर अपने पास रखें।

जब आलिया भट्ट के सामने दीपिका पादुकोण ने बताया रणबीर कपूर की किस आदत से है नफरत

आलिया भट्ट और दीपिका पादुकोण के बीच काफी अच्छी बॉन्डिंग है। साल 2018 में दोनों करण जौहर के चैट शो 'कॉफी विद करण' में पहुंची थीं। दोनों के बीच एक खास कनेक्शन है रणबीर कपूर का। आलिया इस वक्त रणबीर कपूर को डेट कर रही हैं वहीं इससे पहले दीपिका और रणबीर रिलेशनशिप में रह चुके हैं। बाद में दोनों का ब्रेकअप हो गया था। 'कॉफी विद करण' में जब दोनों पहुंचीं तो करण जौहर ने उनसे रणबीर से जुड़े कई सवाल पूछे। अब शो का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें आलिया और दीपिका साथ में 'ऐ दिल है मुश्किल' का गाना 'चन्ना मेरेया' गा रही हैं। इस गाने को फिल्म में रणबीर कपूर पर फिल्माया गया था।

रणबीर कपूर के बारे में पूछे कई सवाल: करण ने रैपिड फायर राउंड में दीपिका से पूछा कि रणबीर के बारे में वो लव्स (प्यार), हेट्स (नफरत) और टॉलरेट्स (सहना) बताएं। दीपिका कहती हैं कि 'मुझे उसके जल्दी नाराज नहीं होने से प्यार है।' हेट के बारे में वो कहती हैं कि 'वो रिएक्ट नहीं करता है।' टॉलरेट करने के सवाल बर दीपिका आगे कहती हैं कि 'असल में तीनों चीजें जुड़ी हुई हैं वो आसानी से अपनी भावनाएं जाहिर नहीं करता है।' इस वक्त आलिया, दीपिका के जवाबों को ध्यान से सुन रही होतीं हैं।

आने वाली फिल्में: दीपिका की आने वाली फिल्मों की बात करें तो जल्दी ही वो कबीर खान निर्देशित फिल्म '83' में दिखाई देंगी।

चीन-पाक की चाल

पाकिस्तान अपने बढ़ते कर्ज का भुगतान करने के लिए पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर क्षेत्र (पीओके) गिलगित-बाल्टिस्तान (जीबी) को चीन को लीज पर देने की तैयारी कर रहा है। गिलगित-बाल्टिस्तान वह भूभाग है, जिस पर चीन की काफी समय से नजर है। पाकिस्तान जिस गिलगित-बाल्टिस्तान को अवैध रूप से अपने कब्जे में कर रहा है, वह चीन के दक्षिण एशियाई विस्तार के लिए वरदान होगा। अगर पाकिस्तान चीन को गिलगित-बाल्टिस्तान सौंप देता है तो उसे इसके लिए चीन की तरफ से मोटी रकम मिल सकती है जो उसके मौजूदा आर्थिक संकट से निपटने में मदद कर सकती है। लेकिन यह कदम उसे भारी भी पड़ सकता है क्योंकि अमेरिका कभी भी नहीं चाहेगा कि चीन का प्रभाव किसी भी तरह से बढ़े। अमेरिका भविष्य में आईएमएफ, विश्व बैंक और अन्य वैश्विक एजेंसियों से धन प्राप्त करने से निकट भविष्य के लिए पाकिस्तान को ब्लैकलिस्ट भी कर सकता है। चीनी नेता पाकिस्तान की सरकारों को तब से गिलगिट-बाल्टिस्तान को पाकिस्तानी राज्य बनाने की सलाह देते रहे हैं, जब से चीन ने पाक के रास्ते अरब सागर तक अपनी पहुंच बनाने के लिए अपने कब्जे वाले शिनजियांग प्रांत (ईस्ट-तुर्किस्तान) से लेकर पाकिस्तान के बलूचिस्तान में ग्वादर तक सड़क बनाने और वहां अपना नौसैनिक अड्डा बनाने का %सीपैक' प्रोजेक्ट शुरू किया है। शुरू में 25 अरब डॉलर की लागत वाले इस प्रोजेक्ट को चीन ने बढ़ाते-बढ़ाते 60 अरब डॉलर का कर लिया है। इसका एक बड़ा हिस्सा भारत के साथ विवाद वाले गिलगिट-बाल्टिस्तान और पाक के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) के इलाकों से गुजरता है। चीन को वहां भारत की ओर से कानूनी अड़चनों और सैनिक कार्रवाई की आशंका बनी रहती है। चीन चाहता है कि अगर पाकिस्तान इन इलाकों को कानूनी तौर पर अपने प्रांत घोषित कर देता है तो वह सीपैक और दूसरी कई रियायतों के लिए पाकिस्तान सरकार के साथ कानूनी संधि कर सकेगा। तब भारतीय विरोध केवल सैनिक चरित्र वाला रह जाएगा। भारत की सैनिक कार्रवाई की स्थिति में चीन को पाकिस्तान की मदद से भारत के खिलाफ दोहरे मोर्चे खोलने का बहाना मिल जाएगा। सीपैक प्रोजेक्ट की पूंजी और उस पर ब्याज के दबाव से पाक को राहत देने के लिए चीन पूरे गिलगिट-बाल्टिस्तान को 99 साल के लिए लीज पर लेने की फिराक में है। गिलगिट-बाल्टिस्तान को लेकर चीन की और भी चिंताएं हैं। लद्दाख में जिस गलवन घाटी पर अचानक हमला करके चीनी सेना ने कब्जे का प्रयास किया था, वह चीन के काराकोरम हाइवे की सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह सड़क भारतीय क्षेत्र अक्साई चिन और पाकिस्तान से गिफ्ट के तौर पर मिले शक्सगाम के माध्यम से गिलगिट-बालटिस्तान के रास्ते नए सीपैक मार्ग को जोड़ती है। इस हमले का एक और चीनी लक्ष्य भारत के सियाचिन ग्लेशियर पर भी कब्जा जमाना था, जिससे अक्साई चिन और गिलगिट-बाल्टिस्तान के बीच भारतीय सेना की उपस्थिति खत्म हो जाए और चीनी सेना को गिलगिट-बाल्टिस्तान तक भारत की चुनौती से लगभग पूरी मुक्ति मिल जाए। इसके अलावा चीन की आंतरिक सुरक्षा और शिनजियांग पर अपना औपनिवेशिक कब्जा बनाए रखने के लिए भी गिलगिट-बाल्टिस्तान का चीन के लिए बहुत महत्व है।

किताबें पढ़ने की आदत डालें

डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

पुस्तक ज्ञान पुंज होती हैं जिसके पढ़ने से अज्ञान दूर होता हैं। वर्तमान में इंटरनेट और गूगल के कारण जानकारियां सुलभ होती जा रही हैं ,पर जो सुख किताबों को पढ़ने से मिलता हैं वह मोबाइल या कंप्यूटर से नहीं मिलता। आजकल किताब का चलन कम होने से सोचने समझने की क्षमता कम होती जा रही हैं। पुस्तकें पढ़ना शुकून देता हैं।

ये सच है कि जो व्यक्ति किताबों से दोस्ती कर लेता है, उसे इस बात का एहसास ज़रूर होता है कि किताबें एक व्यक्ति की बहुत अच्छी दोस्त बन सकती हैं। किताबें पढ़ने की आदत एक ऐसी आदत है जिसके सिर्फ और सिर्फ फ़ायदे ही हैं। यदि आप भी किताबें पढ़ना चाहते हैं लेकिन समझ नहीं पा रहे हैं कि किताबें पढ़ना शुरू कैसे करें तो परेशान ना हों। ये बहुत ही बढ़िया बात है कि आपने किताबें पढ़ने के बारे में सोचा तो सही और हम सब हमेशा से सुनते आ रहे हैं 'जहाँ चाह वहाँ राह'।

÷अच्छे मित्र, अच्छी किताबें और साफ़ अन्तः करण, यही आदर्श जीवन है। ÷ - मार्क ट्वेन शुरुआत तो आपने कर ही दी है किताबों की इस खूबसूरत सी दुनिया का हिस्सा बनने की और हम आपके इस सफ़र को आसान बनाने में आपका साथ जरूर देना चाहेंगे। चलिए जानते हैं किस तरह आप आसानी से किताबें पढ़ने की आदत डाल पाएंगे।

यदि आप किताबें पढ़ना शुरू कर रहे हैं तो सबसे पहले खुद से यह सवाल पूछिए कि आप किताबें क्यों पढ़ना चाहते हैं। अपना शब्दकोष सुधारने के लिए, मनोरंजन के लिए, किसी विषय में ज्ञान बढ़ाने के लिए आदि। जब तक आप यह तय नहीं कर पाएंगे कि किताबें पढ़ना शुरू कर क्यों रहे हैं तो आप कोई भी किताब उठाकर पढ़ना शुरू करने की गलती कर सकते हैं और फिर किताब पढ़ते पढ़ते कुछ समय बाद आप उस किताब में रूचि खो देंगे। इसीलिए किताबें पढ़नी क्यों हैं इस बात का उत्तर यदि आपके पास है तो आप एक सही किताब का चयन कर पाएंगे और उसे पढ़ने में आपको बहुत आनंद आएगा।

जो व्यक्ति निरंतर किताबें पढ़ते हैं, एक समय के बाद वे हर तरह की किताब आसानी से पढ़ और समझ लेते हैं क्योंकि किताब पढ़ना उनकी आदत बन जाती है लेकिन यदि आप पढ़ने की शुरुआत ही कर रहे हैं तो कोई भी किताब उठाकर पढ़ने की गलती मत कीजियेगा। हो सकता है गलत किताब चुनने के कारण किताब पढ़ने की आदत डालने के बजाय आप किताबों में रूचि बनने से पहले ही खो दें इसीलिए सही किताबें चुने। ऐसी किताब पढ़े जिसे पढ़ने में आपको मज़ा आये और आप आगे भी पढ़ते रहना चाहें। उस किताब की कहानी आपको बांधकर रख पाए। सही किताब चुनने के लिए इन बातों को अपनाएं ÷

1 ऐसी किताब पढ़े जिसे पढ़ने में आप रूचि रखते हों।

2 कोई भी किताब खरीदने से पहले उसका सारांश पढ़ लें जिससे आपको किताब के बारे में आईडिया हो जाये। इंटरनेट पर आप किसी भी किताब का सारांश पढ़ सकते हैं और यदि आपको किताब का सारांश पसंद आये तो आप वो किताब खरीद सकते हैं।

3 यदि ऐसी कोई किताब है जो आप हमेशा से पढ़ना चाहते थे पर कभी पढ़ नहीं पाए तो आप वो किताब भी पढ़ सकते हैं ।

4 ध्यान रखें किताब ऐसी पढ़े जिसमे सरल भाषा का प्रयोग किया गया हो क्योंकि कई किताबों में कठिन शब्दों का प्रयोग होता है जो शुरुआत करने के लिए पढ़ना सही नहीं है।

5 यदि आपके कोई ऐसे दोस्त हैं जो किताबें पढ़ते हों तो आप उनसे सुझाव ले सकते हैं। वे आपको आपकी शुरुआत के हिसाब से अच्छी किताबें सुझाव /सलाह दे सकते हैं।

जब आप ये जान जाएं किस तरह की किताबें पढ़ना चाहते हैं तो उन किताबों की एक सूची तैयार कर लीजिये। जब आपके पास किताबों की एक सूची पहले से ही बनी होगी तो आपको बाद में इस कश्मकश में समय नहीं व्यर्थ करना पड़ेगा

कि कौन सी किताब पढ़ें। आप एक एक कर सारी किताबें पढ़ पाएंगे और जब आप सारी किताबें पढ़ लेंगे तो आपको खुशी होगी कि आप इतनी सारी किताबे पढ़ पाए।

आप अभी पढ़ने की शुरुआत कर रहे हैं तो ज़ाहिर सी बात है पढ़ते रहने के लिए किताब में आपकी रूचि होना बहुत ज़रूरी है। यदि आप शुरुआत में ही लम्बी सी किताब लेकर बैठ जाएंगे तो हो सकता है आप बीच में ही बोर हो जाएं या किताब पूरी ना पढ़ पाएं। ऐसा करने से ना तो आप उस किताब को पढ़ने का आनंद ले पाएंगे और शायद आगे किताबें पढ़ने का मन भी ना करे। इसीलिए शुरुआत में पतली किताबें पढ़ें जिन्हे आप पूरा पढ़ पाएं, ऐसा करने से किताब में रूचि भी बनी रहेगी और आप अच्छा महसूस करेंगे कि आप हर किताब पूरी पढ़ पा रहे हैं।

किताब का चुनाव कर लेने के बाद उसे पढ़ने की समय सीमा निर्धारित करें या एक दिन में कितने पृष्ठ पढ़ने हैं ये निर्धारित करें। ऐसा करने से आप हर दिन किताब पढ़ने के लिए समय निकालेंगे क्योंकि अगर एक दिन किताब पढ़कर कुछ दिनों तक पढ़ना छोड़ दें तो जब आप दोबारा वो किताब पढ़ना शुरू करेंगे तो हो सकता है आप उसकी कहानी भूल जाएं। ऐसा करने से आप किताब पढ़ने की आदत नहीं डाल पाएंगे।

नोट ÷ यदि आप किताब पढ़ने का समय नहीं निकाल पा रहे तो पूरे दिन में किसी भी समय का अलार्म लगा लीजिये और जब वो अलार्म बजे तो बैठ जाइये किताब पढ़ने।

ये बात समझना बहुत ज़रूरी है कि आप किताबें इसलिए पढ़ना शुरू कर रहे हैं क्योंकि आप पढ़ना चाहते हैं, किताबें पढ़ना आपकी मजबूरी नहीं है। यदि आप कोई किताब पढ़ रहे हैं और वो आपको पसंद नहीं आती तो उसे पढ़ना बंद कर दीजिये क्योंकि किताब पढ़ने का आनंद तभी है जब आपकी उसे पढ़ने में रूचि हो, आप उसे आगे भी पढ़ते रहना चाहें। आप ऐसा भी कर सकते हैं कि जब एक किताब आगे पढ़ने का मन ना करे तो आप कोई नई किताब पढ़ना भी शुरू कर सकते हैं। एक ही समय में आप 2-3 किताबें भी पढ़ सकते हैं।

जो भी किताब आप पढ़ते हैं, यदि उससे आपने कुछ सीखा हो या उसमे कुछ पंक्तियाँ आपको बहुत पसंद आई हों या उसका कोई पात्र पसंद आया हो तो वो सब एक जर्नल में लिख लें। यदि आपके उस किताब के बारे में कुछ विचार हैं तो वो भी आप उस जर्नल में लिख सकते हैं। जब बाद में कभी आपके पास नयी किताब ना हो या पुरानी किताबों में से कोई पढ़ने का मन कर तो आप इस जर्नल की मदद से किताब का चुनाव कर सकते हैं।

शांत वातावरण में किताब पढ़ने से किताब पर ज़्यादा ध्यान लगाना आसान होता है। इसीलिए आप ये कोशिश करें कि एक ऐसी जगह पर और समय पर किताब पढ़ें जब आस पास शान्ति हो और आपको डिस्टर्ब करने वाला कोई ना हो। किताब पढ़ते समय अपने फ़ोन या टीवी से दूर रहे। किसी भी तरह के विकर्षण से दूर रहें।

अक्सर जब आप कहीं बाहर जाते हैं तो ऐसा हो सकता है कि आपको लम्बे समय के लिए इंतज़ार करना पड़ जाये या ऑफिस से घर के बीच लम्बा सफ़र हो। ऐसे में अधिकतर लोग अपने फ़ोन में कुछ ना कुछ देखकर समय व्यतीत करते हैं तो अपने फ़ोन की ब्लू लाइट से रहें दूर और अपनी किताब अपने साथ रखें और पढ़ें। आपका समय कब और कैसे बीत जाएगा आपको पता भी नहीं लगेगा।

जीवन में दर्द अस्थायी होता है

एक राजा ने अपने सभी सलाहकारों को बुलाया और कहा, मैं चाहता हूं कि मैं अंदर से स्थिर बना रहूं। जीवन के उतार-चढ़ाव मेरा संतुलन बिगाड़ देते हैं। तुम कोई ऐसी चीज बताओ जिससे दुख की अवस्था से गुजरते हुए मैं खुशी पा सपूं और जब मैं आनंद की अवस्था में होऊं, तो वह चीज मुझे दुखों की याद दिलाती रहे। ऐसी चीज खोजो जो मैं अपने पास रख सपूं ताकि मेरे चारों ओर कुछ भी घटता रहे, पर मैं शांत-स्थिर रह सपूं। सभी सलाहकार मिलकर बैठे और उन्होंने विचार-विमर्श किया। अंत में वे एक बक्सा लेकर राजा के पास गए- महाराज, आप इस बक्से को खोलें। राजा ने उसे खोला तो उसमें एक छोटी अंगूठी मिली। उन्होंने राजा से कहा, इस पर जो लिखा है,उसे पढ़ें। अंगूठी पर लिखा था- यह समय भी बीत जाएगा। इन पांच सादे लफ्जों से राजा को बड़ी मदद मिली। हमें भी संतुलन बनाए रखने में इनसे मदद मिल सकती है। जब हम बहुत आनंद में हों, तब याद रखने की जरूरत है कि चीजें हर समय ऐसी नहीं रहेंगी और जब खुशहाल वक्ति गुजर जाए तो हमें निराश या हतोत्साहित नहीं होना चाहिए। हमें ये पांच सादे लफ्ज याद दिला सकते हैं कि दर्द अस्थायी है और खुशहाली फिर लौट आएगी। सभी जीवन में उतार-चढ़ाव का सामना करते हैं। ये जीवन के अभिन्न अंग हैं। इनसे बचा नहीं जा सकता। प्रश्न यह है कि जीवन-पथ पर जब हम ऊंच-नीच का सामना करेंगे तो क्या हम मन की शांति खोकर अस्थिर हो जाना चाहेंगे ? अगर हम खुद को जिंदगी में घटने वाली हर घटना से प्रभावित होने देंगे तो हम आनंद की ऊंचाइयों से घोर निराशा की गहराइयों में पहुंच जाएंगे।

मोबाइल में बचपन, अवसादग्रस्त नई पीढ़ी

कृष्ण कान्त शुक्ल

आज हम सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के दौर में जी रहें हैं। जहां सोशल मीडिया ने समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को भी समाज की मुख्य धारा से जुड़ने और खुलकर अपने विचारों को अभिव्यक्त करने का अवसर दिया है। ऐसे में सोशल मीडिया की उपयोगिता दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। लेकिन अभिव्यक्ति का यही माध्यम अब सामाजिक जीवन को छिन्न-भिन्न कर रहा है। इसमें भी कोई दो राय नहीं है। आज की सच्चाई यह है कि सामाजिक और पारिवारिक खुशियां अब सोशल न होकर साइट्स पर निर्भर हो गई हैं। लोगों की जिंदगी एक मोबाइल में कैद हो गई है। जन्मदिन से लेकर शादी विवाह, मैरिज एनवर्सरी सब इसी पर मनाया जा रहा। ऐसे में नोबेल पुरस्कार विजेता डेसमंड टुटू की लिखी एक बात याद आती है। एक बार उन्होंने लिखा था कि, ÷जब मिशनरी अफ्रीका आए, तो उनके पास बाईबल थी, और हमारे पास जमीन। उन्होंने कहा हम आपके लिए प्रार्थना करने आये हैं और फिर क्या था हमने आखें बंद कर ली। लेकिन जब आंखें खोली तो हमारे हाथ में बाईबल थी, और उनके पास हमारी जमीन।÷ आज कुछ यूं ही हुआ है सोशल मीडिया को लेकर हम लोगों के साथ। शुरुआत में सोशल मीडिया के माध्यम जैसे - फेसबुक, व्हाट्सएप आदि हमें मुफ्त में उपलब्ध कराए गए और हम उसमें इतना मशगूल होते गए कि हमें भान ही नहीं रहा कि कब हमारी खुशियां, हमारा सामाजिक ताना-बाना और हमारी निजता तक हमसे छीन ली गई। आज हम क्या सोचते हैं? वह हमारे अपनों से पहले ये सोशल मीडिया साइट्स का इंटिलिजेंस समझ लेता है। उसी अनुरूप हमें चीज़ों का सुझाव देता सो अलग। कहने का अर्थ यह हुआ कि हम पूरी तरह से सोशल मीडिया की गिरफ्त में आकर असामाजिक हो गए है। वहीं बात करें तो सोशल मीडिया साइट्स के महत्व को बताने के लिए 30 जून 2010 को दुनियभर में विश्व सोशल मीडिया दिवस की शुरुआत हुई थी। आज एक दशक से ज्यादा समय बीत जाने के बाद इस दिवस का विश्लेषण करने पर देखा जाये तो बच्चे, युवा, हर उम्र के लोग सोशल मीडिया के किसी न किसी साइट्स पर एक्टिव हो गए हैं। फेसबुक पर हजारों ऑनलाइन फ्रेंड्स हैं। शुरुआत में फेसबुक खूब प्रचलन में रहा, अब व्हाट्सएप पर जिंदगी बीत रही है। यूथ में इंस्टाग्राम का क्रेज है। नतीजतन हजार दोस्त होने के बाद भी लोग अवसादग्रस्त हो रहे हैं। सामाजिक दायित्व का लोप हो गया है, परिवार टूट रहा और सजीव सामाजिक संबंध खत्म होते जा रहें। गरीब-मध्यम वर्ग से लेकर सेलिब्रिटी तक सब सोशल मीडिया से जुड़े हैं। नाते रिश्तेदारी सब मोबाइल पर चल रही। नई पीढी में बच्चा न रोये इसलिए मां बच्चे के हाथ में मोबाइल थमा देती है। मां भी व्हाट्सएप,फेसबुक, यूट्यूब पर बिजी हो गयी है। सबका अपना अलग मोबाइल है, सबकी अपनी आभासी दुनिया है। जो सिर्फ मोबाइल तक सीमित है। बात यही नहीं रुकती बड़े-बड़े राजनीतिक, सामाजसेवी, सेलिब्रिटी भी हर दिन सुबह, शाम फोटोजीवी होने का प्रमाण दे रहे हैं। बिना फोटो पोस्ट किये दिन नहीं गुजर रहा। हाथ की उंगलियां मोबाइल से चिपकी हैं। दिनभर पोस्ट, लाइक, शेयर और कमेंट चल रहा है।

ऐसे में कहीं न कहीं सोशल मीडिया की लत अब अपने चरम पर पहुँच गई है, लेकिन दुर्भाग्य है कि हम अभी भी उसको लेकर सचेत नहीं हो पा रहें हैं। ग्लोबल वेब इंडेक्स की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में एक व्यक्ति औसतन 2 घंटे 22 मिनट सोशल मीडिया पर ऑनलाइन रहता है और एक आंकड़े के मुताबिक, वर्तमान में भारत में तकरीबन 350 मिलियन सोशल मीडिया यूज़र हैं। इसके अलावा अनुमान है कि वर्ष 2023 तक यह आंकड़ा लगभग 447 मिलियन तक पहुँच जाएगा। ऐसे में सोशल मीडिया की बढ़ती लत हमारे समाज को एक ऐसी दिशा में ले जा रहा है। जहां से हमारा अतीत बहुत पीछे निकल चुका होगा और हमारा वर्तमान काफ़ी विकृत होगा। सोचिए सामाजिक संजाल में व्यक्ति क्यों रहता है? लेकिन जब यही सोशल मीडिया हमारे सामाजिक ताने-बाने को ही नष्ट कर देगा। फ़िर मानव जीवन में आख़िर क्या शेष रह जाएगा? ऐसे में वक्त रहते हमें जगने की जरूरत है और हमारे ऊपर सोशल मीडिया का अधिपत्य स्थापित हो जाए। उससे पहले हमें सोशल मीडिया को नियंत्रित करने की आवश्यकता है।

आज हमें कई शोध यह बताते हैं कि यदि कोई व्यक्ति सोशल मीडिया का आवश्यकता से अधिक उपयोग करता है तो उसका मस्तिष्क नकारात्मक रूप से प्रभावित होता है।

एक नेता के दो जगह से चुनाव लडने पर रोक लगनी आवश्यक

सोनम लववंशी

हमारा देश आए दिन चुनावी मोड में रहता है। ऐसे में विकास के मुद्दे ही गुम नहीं होते, बल्कि व्यापक स्तर पर टैक्सपेयर्स का पैसा भी व्यर्थ जाता है। लोकतंत्र में चुनावी प्रक्रिया का पालन किया जाना आवश्यक है, लेकिन पहले चुनाव जीते। फिर सीट छोड़ दें। यह कहां तक जायज़ ठहराया जा सकता है? इसी प्रकार एक पद पर निर्वाचित रहते हुए दूसरे पद के लिए चुनाव लडना और उसके बाद एक पद त्यागना भी गंभीर समस्या है। ऐसे में सवाल लोकतांत्रिक व्यवस्था के सामने कई हैं और इन सवालों का जवाब भी अब ढूढने की कोशिश होने लगी है। जो एक सुखद पहलू है। सोचिए जिस लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता को सिर्फ़ एक जगह से मत देने का अधिकार होता है। उसी व्यवस्था में किसी जनप्रतिनिधि को दो या उससे अधिक जगह से चुनाव लड़ने की आज़ादी किसलिए? यह तो फिर वही बात हुई कि किसी बच्चें को दो कक्षाओं के लिए परीक्षा देना हो और कहीं से भी पास हो जाए। यह स्वायत किसी भी पैमाने पर उचित नहीं। ऐसे में इसे बंद किए जाने की जरूरत है।

वैसे देखा जाए तो चुनाव में हार जीत हर राजनेता के लिए बहुत मायने रखती है। एक राजनेता के लिए जीत की खुशी से कहीं ज्यादा हार जाने का डर सताता है और यही डर कई बार इतना बढ़ जाता है कि राजनेताओं को दो या दो से अधिक जगहों से चुनाव लड़ने को मजबूर कर देता है। 2019 के लोकसभा चुनाव में

राहुल गांधी को ही उदाहरण के तौर पर देख सकते हैं, जिन्होंने दो सीटों से चुनाव लड़ा था। हां यह अलग बात है कि वो अमेठी से चुनाव हार गए तो दोबारा चुनाव की नौबत नहीं आई, लेकिन जब कोई प्रत्याशी दो जगह से लड़ने के बाद अपनी सीट छोड़ता है। तो न सिर्फ़ दोबारा चुनाव में केंद्रीय राजस्व की बर्बादी होती है, बल्कि जनता के मत की तौहीन भी होती है। ऐसे में चुनाव लड़ने के लिए किसी भी प्रत्याशी के लिए एक सीट एक प्रत्याशी के नियम का पालन किया जाना चाहिए। बीते कुछ वर्षों में इस दिशा में प्रयास भी हुए हैं लेकिन अभी तक इस पर व्यापक स्तर पर अमल नहीं हो पाया है। जो चिंता का कारण है। ऐसे में अब चुनाव आयोग को इस दिशा में प्रयास करना चाहिए और चुनाव सुधार की दिशा में कदम उठाना आवश्यक है। देखा जाए तो चुनाव ही वह अधिकार है जो लोकतंत्र और तानाशाही में अंतर करता है। इसे ध्यान में रखते हुए है चुनाव आयोग ने %एक उम्मीदवार एक-सीट% का समर्थन किया है। इसे लेकर एक याचिका भी दायर की गई है जिसमें जन प्रतिनिधि अधिनियम की धारा 33 (7) को चुनौती देते हुए यह अपील की है कि संसद हो या फिर विधानसभा सभी स्तर पर प्रत्याशी एक सीट से चुनाव लड़े। जब मतदाता को एक बार वोट देने का अधिकार है फिर नेताओं को दो जगह से चुनाव लड़ने की छूट कहा तक जायज़ हो सकती है। सवाल तो यह भी उठता है कि जब कोई नेता दो जगह से चुनाव लड़कर विजयी होता है तो उसे प्रतिनिधित्व तो किसी एक ही जगह का करना है। एक तरह से तो यह मतदाताओं के मत का भी अपमान ही करना हुआ। इसके अलावा भी एक से अधिक सीट पर एक ही प्रत्याशी के खड़े होने के नुकसान हैं। जैसे मान लीजिए एक नेता अगर दो जगहों से चुनाव लड़ता है तो इससे दूसरे कार्यकर्ताओं को मौका नहीं मिल पाता। इतना ही नहीं चुनावों में पार्टियों की ओर स्थानीय प्रत्याशी को भी मौका नहीं मिल पाता। जिसकी वज़ह से कार्यकर्ताओं को नुकसान उठाना पड़ता सो अलग। ऐसे में अब प्रावधान करना चाहिए कि एक प्रत्याशी एक जगह से ही चुनाव लड़ें और प्रावधान का उल्लंघन हो तो उछ दल और प्रत्याशी की मान्यता रद्द कर दी जाए। गैरतलब हो कि चुनाव आयोग भी राजनेताओं को एक सीट एक नेता को लेकर चुनाव प्रक्रिया में सुधार की बात कर रहा है। मार्च 2015 में विधि आयोग ने चुनाव सुधार पर अपनी 211 पन्नों की रिपोर्ट सौंपी। इस रिपोर्ट में विधि आयोग ने उम्मीदवारों को एक से अधिक सीट से चुनाव लड़ने से रोकने ओर निर्दलीय उम्मीदवारों को प्रतिबंधित करने की बात कही है।

सूडोकु नवताल- 6116

✯✯✯✯✯ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6115 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

डॉलर या युआन: कौन बड़ा ठग?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

दुनिया के सात समृद्ध देशों के संगठन जी-7 के शिखर सम्मेलन में भारत को भी आमंत्रित किया गया था, हालांकि भारत इसका बाकायदा सदस्य नहीं है। इसका अर्थ यही है कि भारत इन्हीं समृद्ध राष्ट्रों की श्रेणी में पहुंचने की पर्याप्त संभावना रखता है। जर्मनी में संपन्न हुए इस सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाग लेकर सभी नेताओं से गर्मजोशी से मुलाकात की, भारत की उपलब्धियों का जिक्र किया और इस संगठन के सामने कुछ नए लक्ष्य भी रखे। मोदी ने यह तथ्य भी बेझिझक प्रकट कर दिया कि भारत की आबादी दुनिया की 17 प्रतिशत है लेकिन वह प्रदूषण सिर्फ 5 प्रतिशत ही कर रहा है। दूसरे शब्दों में उन्होंने समृद्ध राष्ट्रों को अपने प्रदूषण को नियंत्रित करने का भी संकेत दे दिया। इसके अलावा उन्होंने समृद्ध राष्ट्रों से अपील की कि वे विकासमान राष्ट्रों की भरपूर मदद करें। संसार के देशों में बढ़ती जा रही विषमता को वे दूर करें। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन तथा अन्य नेताओं ने इस अवसर पर घोषणा की कि वे अगले पांच वर्षों में 600 बिलियन डॉलर का विनियोग दुनिया भर में करेंगे ताकि सभी देशों में निर्माण-कार्य हो सकें और आम आदमियों का जीवन-स्तर सुधर सके। जाहिर है कि इतने बड़े वित्तीय निवेश की कल्पना इन समृद्ध देशों में चीन के कारण ही जन्मी है। चीन ने 2013 में 'बेल्ट एंड रोड एनीशिएटिव' (बीआरडी) शुरु करके दुनिया के लगभग 40 देशों को अपने कर्ज से लाद दिया है। श्रीलंका और पाकिस्तान तो उसके शिकार हो ही चुके हैं। भारत के लगभग सभी पड़ौसी देशों की संप्रभुता को गिरवी रखने में चीन ने कोई संकोच नहीं किया है लेकिन जो बाइडन ने चीनी योजना का नाम लिये बिना कहा है कि जी-7 की यह योजना न तो कोई धर्मादा है और न ही यह राष्ट्रों की मदद के नाम पर बिछाया गया कोई जाल है। यह शुद्ध विनियोग है। इससे संबंधित राष्ट्रों को तो प्रचुर लाभ होगा ही, अमेरिका भी फायदे में रहेगा। यह विकासमान राष्ट्रों को सड़कें, पुल, बंदरगाह आदि बनाने के लिए पैसा मुहय्या करवाएगा। इस योजना के क्रियान्वित होने पर लोगों को सीधा फायदा मिलेगा, उनकी गरीबी दूर होगी, उनका रोजगार बढ़ेगा और लोकतंत्र के प्रति उनकी आस्था मजबूत होगी। संबंधित देशों के बीच आपसी व्यापार और आर्थिक सहयोग को बढ़ाने में भी इस योजना का उल्लेखनीय योगदान होगा। यह भी संभव है कि इस योजना में जुटनेवाले देशों के बीच मुक्त-व्यापार समझौते होने लगें।

साल में एक बार जरूर कराएं ये जांच

ब्लड टेस्ट यानी खून की जांच द्वारा आपके शरीर की अंदरूनी सेहत के बारे में आसानी से पता लगाया जा सकता है। शरीर के ज्यादातर अंगों के फंक्शन को जांचने के लिए ब्लड और यूरिन का टेस्ट करना पर्याप्त होता है। इसका कारण यह है कि ब्लड यानी खून हमारे पूरे शरीर में प्रवाहित होता है और किसी भी अंग में गड़बड़ी होने पर खून में भी इसका असर पड़ता है। अगर आप अपनी अंदरूनी सेहत के बारे में जानना चाहते हैं, तो साल में कम से कम एक बार ये 5 ब्लड टेस्ट जरूर करवाएं। इन टेस्ट्स के द्वारा बीमारियों का सही समय पर पता लग जाने पर इलाज और रोकथाम बहुत आसान हो जाती है और आपको अपनी सेहत का भी अंदाजा हो जाता है।

थायरॉइड पैनल

थायरॉइड हमारे शरीर में महत्वपूर्ण हार्मोन्स के स्राव में मदद करता है। आपको हर साल थायरॉइड टेस्ट जरूर करवाना चाहिए। अगर आपको थायरॉइड से जुड़ी बीमारी नहीं भी है, तो भी इस टेस्ट से आपको अपनी सेहत के बारे में जरूरी बातें पता लगेंगी। आमतौर पर थायरॉइड टेस्ट में 3 चीजों की जांच शामिल होती हैं- टी3, टी4 और टीएचएस। भारतीय लोगों में थायरॉइड तेजी से बढ़ रहा है। थॉयराइड एक साइलेंट किलर है और ये बीमारी महिला और पुरुष दोनों को हो सकती है। इसलिए थायरॉइड टेस्ट जरूरी है।

लिपिड प्रोफाइल

लिपिड प्रोफाइल के द्वारा आप अपने शरीर में कोलेस्ट्रॉल की जांच करवा सकते हैं। आमतौर पर लिपिड प्रोफाइल में 4 तरह के टेस्ट शामिल होते हैं- टोटल कोलेस्ट्रल (टीसी), हाई डेंसिटी लिपोप्रोटीन (एचडीएल या गुड कोलेस्ट्रॉल), लो डेंसिटी लिपोप्रोटीन (एलडीएल या बैड कोलेस्ट्रॉल) और ट्राईग्लिसराइड्स (टीजी)। इन सभी जांचों के द्वारा दिल के स्वास्थ्य के बारे में जाना जा सकता है। इस टेस्ट में एडीएल के साइज और उनके पार्टिकल्स के बारे में पता लगाया जाता है। एचडीएल को हाई डेंसिटी लीपोप्रोटीन कहते हैं। इसकी कमी से दिल की बीमारी होने का खतरा रहता है।

हीमोग्लोबिन एआईसी टेस्ट

एआईसी द्वारा आपके शरीर में ग्लूकोज के पिछले 3 महीने के स्तर का पता लगाया जा सकता है। अगर आप इस टेस्ट को हर साल करवाते हैं, तो आप डायबिटीज जैसी गंभीर बीमारी से बच सकते हैं। डायबिटीज के मरीज भारत ही नहीं, दुनियाभर में बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में ये ब्लड टेस्ट बहुत जरूरी है।

किडनी फंक्शन टेस्ट

किडनी फंक्शन टेस्ट इसलिए किया जाता है, ताकि ये पता लगाया सके कि आपकी किडनियां सही काम कर रही हैं या नहीं। किडनी फंक्शन टेस्ट में 2 प्रकार के टेस्ट किए जाते हैं, जिन्हें एसीआर (एल्बुमिन टू क्रिएटिनिन रेशियो) और जीएफआर (ग्लोमेरुलर फिल्ट्रेशन रेट) कहते हैं। एसीआर टेस्ट में आपके यूरिन की जांच की जाती है जबकि जीएफआर टेस्ट में आपके खून में क्रिएटिनिन नाम के तत्व की जांच की जाती है। जीएफआर टेस्ट में मिले क्रिएटिनिन की मात्रा के आधार पर ही ये पता लगाया जाता है कि आपकी किडनियां कितनी ठीक तरह काम कर रही हैं।

सीबीसी टेस्ट (कंप्लीट ब्लड काउंट)

कंप्लीट ब्लड काउंट आपके कई अंगों के स्वास्थ्य के बारे में बताता है इसलिए ये एक जरूरी जांच है। कंप्लीट ब्लड काउंट टेस्ट द्वारा आपको लिवर, हार्ट और किडनी के बारे में पता चलता है। इस जांच में ए?यक्ति के खून में मौजूद सेल्स की जांच की जाती है। अगर किसी ए?यक्ति के खून में रक?त कण कम या अधिक हैं तो उसे स?वास?थ्य संबंधित समस?या हो सकती है।

टीवी देखते समय स्नैक्स खाना बना सकता है बीमार

अगर आप भी बिस्तर पर लेटकर टीवी देखते समय स्नैक खाना पंसद करते हैं तो अपनी ये आदत तुरंत बदल डालिए। आपकी ये आदत जल्द ही आपको बीमार बना सकती है। खासकर किशोरावस्था में टीवी देखते समय स्नैक्स का सेवन करने की आदत हृदय रोग और डायबिटीज के खतरे को बढ़ा सकती है। एक अध्ययन में यह बात सामने आयी है। शोधकर्ताओं की मानें तो जो बच्चे टीवी देखते समय स्नैक्स का ज्यादा सेवन करते हैं उनके शरीर में मेटाबोलिक सिंड्रोम का खतरा ज्यादा देखने को मिलता है। यह निष्कर्ष 12 से 17 साल की उम्र के 33,900 किशोरों पर किए गए एक अध्ययन के आधार पर निकाला गया। शोध में पता चला कि मेटाबोलिक सिंड्रोम की वजह से ब्लड प्रेशर बढ़ने, हाई ब्लड शुगर, कमर की चर्बी बढ़ने और कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है।

मेटाबॉलिक सिंड्रोम

यूं तो मेटाबॉलिक सिंड्रोम कोई एक बीमारी नहीं है। यह एकसाथ कई बीमारियों के होने की वजह से होता है। उच्च रक्तचाप, शुगर की परेशानी, कोलेस्ट्रॉल की मात्रा का बढ़ना और अधिक मोटापा, ये सब चीजें मिलकर मेटाबॉलिक सिंड्रोम की वजह बनती हैं। आइए जानते हैं ऐसी कौन सी वो बीमारियां हैं जो मेटाबॉलिक सिंड्रोम के लिए जिम्मेदार होती हैं।

बैड कोलेस्ट्रॉल

अगर आपके खून में बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा 150 मिग्रा/डेलि है, तो आपको मेटाबॉलिक सिंड्रोम होने का खतरा काफी बढ़ हो जाता है।

हाई ब्लड प्रेशर

सबसे ज्यादा मेटाबॉलिक सिंड्रोम होने का खतरा हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों को रहता है। सामान्य व्यक्ति का रक्तचाप 120/80 माना जाता है। यदि यह इस सामान्य स्तर से अधिक हो, तो आपको मेटाबॉलिक सिंड्रोम हो सकता है।

शुगर

यदि खाना खाने से पहले आपके शरीर में शुगर की मात्रा 100 से अधिक है, तो आपको सजग रहने की जरूरत है। यह मेटाबॉलिक सिंड्रोम के खतरे की तरफ इशारा करता है।

मोटापा

खासकर पेट के आसपास जमा अतिरिक्त चर्बी मेटाबॉलिक सिंड्रोम का एक संभावित कारण हो सकती है।

तांबे के बर्तन का पानी बचाता है गंभीर बीमारियों से

तांबा एक प्रकार का माइक्रोन्यूट्रिएंट है। यह शरीर में मिनरल्स और जरूरी पोषक तत्वों की कमी को पूरा करता है। तांबे के बर्तन में पानी पीने से रोग प्रतिरोधी सिस्टम मजबूत होता है, हाजमा बेहतर होता है। साथ ही कैंसर जैसी घातक बीमारी से बचाव भी होता है। तांबे के बर्तन में रखा हुआ पानी पीने से शरीर को ठंडक भी मिलती है। तांबे के बर्तन में पानी रखने से पानी में मौजूद सभी प्रकार के बैक्टीरिया नष्ट हो जाते हैं. इसके लिए रातभर तांबे के बर्तन में पानी भरकर रख दें। सुबह उठकर पी लें। ऐसा करने से शरीर में मौजूद टॉक्सिसंस न्यूट्रलाइज हो जाते हैं।

तांबे के बर्तन में पानी पीने के लाभ

संक्रमण होता है समाप्त: विशेषज्ञों के अनुसार तांबे के बर्तन में पानी पीने से पेट का संक्रमण समाप्त होता है। पाचनतंत्र बेहतर होता है। साथ ही लिवर और किडनी बेहतर तरीके से काम करती है।

लंबे समय तक जवां बनाए रखता है: आप अगर अपने चेहरे पर पड़ रही झुर्रियों से परेशान हैं तो तांबे के बर्तन में पानी पीना शुरू कर दें। तांबे में भारी मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स मौजूद होते हैं, जो त्वचा को जवां बनाए रखने में मदद करते हैं। साथ ही इसमें झुर्रियों के लिए जिम्मेदार फ्री रेडिकल्स को नष्ट करने की क्षमता भी होती है।

दिल की बीमारी से बचाव करता है : आजकल अधिकतर लोग दिल की बीमारी से जूझ रहे हैं। ऐसे में तांबे के बर्तन में पानी पीना बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है। तांबे के बर्तन में पानी पीने से दिल की बीमारी होने का खतरा काफी कम हो जाता है। तांबे के बर्तन में पानी पीने से ब्लड प्रेशर नॉर्मल रहता है, साथ ही शरीर में बेड कोलेस्ट्रोल का स्तर भी कम होता है।

वजन कम करने में मददगार: तांबे के बर्तन में पानी पीकर प्राकृति तरीके से भी वजन कम किया जा सकता है।

कैंसर के खतरे को कम करता है : तेजी से बढ़ रही कैंसर की बीमारी का खतरा भी तांबे के बर्तन में पानी पीकर कम किया जा सकता है। तांबे में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स गुण शरीर में मौजूद फ्री रेडिकल्स के असर को न्यूट्रलाइज करते हैं, जो कैंसर का एक मुख्य कारण माना जाता है।

शरीर के अच्छे विकास के लिए आहार में लें प्रोटीन

शरीर के अच्छे विकास के लिए प्रोटीन के सेवन पर जरूर ध्यान देना चाहिए। प्रोटीन युक्त आहार का कितनी मात्रा में सेवन करना चाहिए, इसे जानने के कई तरीके हैं। आजकल फिटनेस एप्लिकेशन मौजूद हैं, जो आपको प्रोटीन के सेवन की मात्रा संबंधी जानकारी दे सकते हैं। सही मात्रा में प्रोटीन का सेवन करने का संबंध स्वस्थ व संतुलित आहार के सेवन से हैं। प्रोटीन एक बेहद जरूरी अवयव है, जिसका सेवन सभी के लिए जरूरी है, क्योंकि यह शरीर के उत्तकों की मरम्मत करने और उनका पुनर्निमाण करने में सहायक होता है हालांकि प्रोटीन का बहुत ज्यादा सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक भी साबित हो सकता है। प्रोटीन के सेवन के साथ ही अन्य पोषक तत्वों के सेवन पर भी ध्यान दें, जो आमतौर पर शरीर को सक्रिय बनाए रखने के लिए जरूरी होते हैं। प्रोटीन युक्त आहार का बहुत ज्यादा मात्रा में सेवन करने से वजन बढ़ने की संभावना होती है, इसलिए संतुलित मात्रा में ही इसका सेवन करें। बहुत ज्यादा प्रोटीन युक्त आहार लेने से पाचन में दिक्कत हो सकती है, जिससे कब्ज और डायरिया जैसी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

माइग्रेन में राहत दिलाता है योग

माइग्रेन व्यक्ति को किसी भी उम्र में हो सकता है। अगर आप भी अपनी भागदौड भरी लाइफ की वजह से अक्सर सिर के दर्द की शिकायत करते हैं। आपका ये दर्द कई बार कुछ देर के लिए नहीं कई घंटो रहता है। तो आपका ये दर्द माइग्रेन की तरफ इशारा कर रहा है। दरअसल दिमाग में रसायनों के असंतुलन के कारण माइग्रेन होता है। अगर आप भी माइग्रेन से पीडित हैं तो ये खास आसन आपको हमेशा के लिए इस दर्द से राहत दिला सकता है।

शशांकासन योग करते समय व्यक्ति के शरीर का आकार खरगोश की तरह हो जाता है। माइग्रेन के दर्द के साथ ये आसन पीठ और गर्दन के दर्द को भी दूर करता है।

शशांकासन योग करने का तरीका-

शशांकासन योग करने के लिए सबसे पहले बैठकर दोनों एड़ीं पंजे आपस में मिला लें। अब हथेलियों को दाईं ओर रखें और पंजो को तान लें। घुटनों को टांगों से मोड़ते हुए वज्रासन की स्थिति में आ जाएं। अब दोनों घुटनों को दोनों ओर फैला दें तथा दोनों हथेलियों को दोनों घुटनों के मध्य जमीन पर टिका दें। सांस बाहर करते हुए कमर के निचले हिस्से से धीरे-धीरे झुकते जाएं ऐसा करते हुए हथेलियों को आगे खिसकाते रहें। अपनी ठोड़ी को धरती से लगा लें। फिर उल्टी क्रिया करते हुए धीरे-धीरे पूर्वावस्था आ जाएं। इस योग को करने से मनोविकार दूर होने के साथ स्मरणशक्ति भी अच्छी होती है। इतना ही नहीं यह आसन गुस्से को भी शांत करता है। माना जाता है जो लोग शॉर्ट टेम्पर यानी गुस्सैल स्वभाव के होते हैं, उन्हें यह आसन अवश्य करना चाहिए।

घर पर आसानी से हेयर स्पा करने के लिए अपनाएं यह तरीका

अगर आपके बाल रूखे और बेजान दिख रहे हैं तो इसके लिए हेयर स्पा का विकल्प चुनें क्योंकि इससे आपके बाल तुरंत स्मूद और चमकदार बन सकते हैं। अब अगर आप यह सोच रहे हैं कि हेयर स्पा के लिए आपको सैलून जाना पड़ेगा तो ऐसा नहीं है। आप चाहें तो घर में बहुत आसानी से सैलून जैसा हेयर स्पा कर सकते हैं। आइए आज घर पर हेयर स्पा करने का तरीका जानते हैं।

सबसे पहले करें तेल मालिश: तेल मालिश का सबसे पहला स्टेप है, जिससे न सिर्फ स्कैल्प को भरपूर पोषण मिलता है बल्कि सिर का ब्लड सर्कुलेशन भी बेहतर तरीके से होता है। इसके लिए सबसे पहले नारियल के तेल, जैतून के तेल और विटामिन-ध्र के तेल की बराबर मात्रा को लेकर हल्का गर्म करें, फिर इस मिश्रण को सिर की जड़ों से लेकर बालों की लंबाई पर लगाकर हल्के हाथों से पांच मिनट तक मालिश करें।

स्टीम के लिए गर्म पानी से भीगे तौलिए को सिर पर लपेटें: हेयर स्पा के लिए तेल मालिश के बाद सिर को स्टीम देना जरूरी होता है क्योंकि इसकी मदद से तेल मालिश के पोषक तत्व गहराई तक स्कैल्प में जाते हैं। स्टीम के लिए सबसे पहले एक सूती तौलिए को गर्म पानी से भिगोकर निचोड़े, फिर इसे अपने सिर पर अच्छे से लपेटकर 15-20 मिनट तक छोड़ दें। हालांकि, ध्यान रखें कि पानी इतना गर्म होना चाहिए, जिससे आपकी त्वचा के जलने का खतरा न हो।

अब बारी आती है शैंपू की: स्टीम देने के बाद अपने सिर की अतिरिक्त गंदगी और तैलीय प्रभाव को हटाने के लिए सल्फेट फ्री शैंपू से धोएं। हालांकि, ध्यान रखें कि सिर को धोने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल नहीं करना है क्योंकि इससे बाल कमजोर और डैंड्रफ जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। बेहतर होगा कि आप सिर को धोने के लिए गुनगुने या फिर सामान्य तापमान वाले पानी का इस्तेमाल करें। सिर को धोने के बाद कंडीशनर का इस्तेमाल भी जरूर करें।

अंत में हेयर मास्क लगाएं: यह हेयर स्पा का आखिरी स्टेप है। हालांकि, इसके लिए केमिकल युक्त हेयर मास्क की बजाय होममेड हेयर मास्क का इस्तेमाल करें। होममेड हेयर मास्क के लिए पहले एक कटोरी में पका केला, जैतून का तेल, शहद, दही और एलोवेरा जेल मिलाएं, फिर इस मिश्रण को पूरे सिर पर लगाकर शॉवर कैप पहन लें।

अनिद्रा और माइग्रेन की समस्या से चाहते हैं निजात, तो पीजिए हल्दी वाला दूध

आयुर्वेद चिकित्सा में हल्दी को रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला सबसे असरकार माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार दूध के साथ हल्दी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। बच्चों और बुजुर्गों को तो अक्सर हल्दी वाला दूध पीने की सलाह दी जाती है। बहुत सी ऐसी बीमारियां हैं जिनमें हल्दी वाला दूध रात को पीने से काफी आराम मिलता है। कहा जाता है जो व्यक्ति अनिद्रा का रोगी हो और जिसके माइग्रेन की बीमारी हो उसे हल्दी वाला दूध अवश्य पीना चाहिए।

आइए डालते हैं एक नजर हल्दी वाले दूध के उन फायदों पर—

माइग्रेन व अनिद्रा में मिलता है हल्दी दूध से आराम अगर आपको माइग्रेन की शिकायत है तो रोज रात को सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने की आदत डाल लें। माइग्रेन की परेशानी में दूध हल्दी पीने से बहुत लाभ मिलता है। इससे अच्छी नींद भी आती है। आपकी नींद पूरी नहीं हो पा रही है। रात को अक्सर आपकी नींद टूट जाती है और फिर देर तक नहीं आती है तो हल्दी वाला दूध पीकर सोना शुरू कर दें। गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने से नींद नहीं आने की शिकायत दूर होती है।

गैस की परेशानी से भी मिलती है राहत: गैस और कब्ज की परेशानी में भी हल्दी दूध पीने से आराम मिलता है। दूध नॉर्मल टेम्प्रेचर का होना चाहिए ज्यादा गर्म नहीं। रोज रात को हल्दी वाले दूध में 2-3 दाने चीनी या मिश्री के डालकर सोएं।

जिला परिवहन अधिकारी ने पंचायत चुनाव के द्वितीय चरण के मतदान के लिए बसों का किया अधिग्रहण।

आरटीओ अनुराग शुक्ला ने कहा बस ऑपरेटर अधिग्रहण में सहभागी बनें।

उमाकान्त शर्मा पुष्पांजली टुडे भिण्ड 9826224963

भिण्ड। जिले में द्वितीय चरण के मतदान के लिए भिण्ड और अटेर क्षेत्र में पंच,सरपंच, जिला पंचायत सदस्य, जनपद सदस्यों के निर्वाचन के लिए 1 जुलाई को मतदान होगा। मतदान केंद्रों तक कर्मचारियों को पहुंचाने के लिए लगभग 180 बसों की जरूरत है। अबतक 50 बसें ही उपलब्ध हुई हैं। 130 बसों की जरूरत और है जिला परिवहन अधिकारी ने कहा है कि जिन ऑपरेटर को पहले जानकारी दी जा चुकी है वो समय पर बसों को उपलब्ध करवा दें अन्यथा बसों की धरपकड़ शुरू की जाएगी और परमिट भी निरस्त किया जाएगा। बसों का जो टारगेट मिला है, उतनी बसें प्रशासन को देनी है।

1 जुलाई को जिले में पंचायत चुनाव के लिए द्वितीय चरण का मतदान है। इन मतदान केंद्रों पर कर्मचारियों को पहुंचाने के लिए वाहनों की जरूरत है। जिला प्रशासन ने क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय को (आरटीओ) को 180 बसें अधिग्रहित करने की जिम्मेदारी दी है। इसके चलते दो दिनों से आरटीओ ने बसों पर कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रशासन पर पूरी बसें नहीं पहुंची है, जिसके चलते सख्ती बरती जा रही है।परिवहन अधिकारी अनुराग शुक्ला ने बताया कि जो स्कूल बस भी चुनाव में प्रयोग की जाएगी उससे छात्रों पर भी प्रभाव पड़ सकता लेकिन स्कूल प्रबंधन द्वारा अभिभावकों को भी इसकी सूचना भी दी जा रही है। चुनाव से बसें लौटने के बाद ही भौतिक रूप से स्कूल खुल सकेंगे। बसें 2 जुलाई को ही वापस लौट सकेंगी। आरटीओ अनुराग शुक्ला का कहना है कि चुनाव के लिए बसों का अधिग्रहण हो चुका है।चुनाव में बसों का अधिग्रहण होने से रूट पर भी बसें घट जाएंगी, जिससे यात्रियों की भी परेशानी का समाना करना पड़ सकता है। बसों की संख्या कम होने से जो बसें सड़कों पर दौड़ेंगी, उनमें यात्रियों का दवाब बढ़ेगा। चार दिनों तक बसों की कमी रहेगी।सफर मुश्किल होगा।

01 जुलाई तक होंगे आर टी ई निः शुल्क प्रवेश के सत्यापन- बी आर सी सी अंगद सिंह तोमर

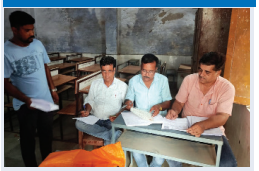

अनिल कुशवाह ब्युरो पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-शासन की महती योजना अंतर्गत सत्र 2022-23 हेतु शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत मान्यता प्राप्त अशासकीय शालाओ की प्रथम प्रवेशित कक्षा मे प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन किए जा रहे है , आवेदन ऑनलाइन उपरांत आवेदकों को चयनित जन शिक्षा केंद्र से बच्चे से संबंधित मूल दस्तावेजों से सत्यापन दिनांक 01.07.2022 तक किया जाना है जिसमे आज दिनांक तक 438 आवेदनों मे से केवल 220 आवेदनों का पालकों द्वारा सत्यापन कराया गया है , सत्यापन के बाद आवेदन पात्र होने के पश्चात ऑनलाइन लॉटरी प्रक्रिया मे शामिल होगा अतः बीआरसीसी शिवपुरी अंगद सिंह तोमर ने सभी पालगगण एवं आवेदकों से अपील की है कि चयनित जनशिक्षाकेंद्र से आवेदन को निर्धारित दिनांक तक सत्यापन कराने का कष्ट करे , शिवपुरी शहरी क्षेत्र अंतर्गत शा उ.मा.वि. कन्या कोर्ट रोड शिवपुरी, शा शा उ.मा.वि. क्रमांक 2 शिवपुरी एवं शा शा उ.मा.वि. आदर्श नगर शिवपुरी एवं विकास खंड के समस्त जन शिक्षा केंद्रों पर सत्यापन केंद्र का निर्धारण हुआ है

आईजी कप क्रिकेट टूर्नामेंट का हुआ आयोजित

पुष्पांजली टुडे

बैंगलूरु- ए.आर.के.ग्रुप सीरवी समाज द्वारा गोविंदराजनगर स्थित बाल गंगाधर स्वामी खेल मैदान में क्रिकेट प्रतियोगिता आईजी कंप का आयोजित हुआ जिसमें विजेता टीम को मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने पुरस्कृत किया।इस मौके पर सर्व समाज के गणमान्य सदस्य उपस्थित थे

अपने अपने वार्ड मैं विकास कार्य कराने के लिए चुने सेवक न कि राजा

अनिल कुशवाह ब्युरो पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- खबर शिवपुरी जिले के वार्ड क्रमांक 8 से है जहां शिवपुरी जिले एवं पूरे मध्यप्रदेश में नगर पालिका एवं नगर निगम के चुनाव का बिगुल बज गया है वहीं प्रत्याशियों ने अपने अपने वार्डों में जोर-शोर से अपना प्रचार करना भी शुरू कर दिया हैं अब हर प्रत्याशी अपने अपने वार्ड में विकास कार्य करने मैं अपने को माहिर साबित करने की होड़ में लगे हुए हैं इसी प्रकार शिवपुरी नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 8 से निर्दलीय प्रत्याशी अनिल कुशवाहा ने भी विकास कार्य मैं लगे हुए हैं वार्ड क्रमांक 8 की गलियों में भरे हुए नालों एवं नालियों कोई सफाई कराने के लिए आज निर्दलीय प्रत्याशी अनिल कुशवाह नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों को बुलाकर वार्ड में जहां जहां पर नालियों की सफाई कराना चाहिए था वहां पर अनिल कुशवाह मैं स्वयं जाकर भरी हुई नालियों की सफाई कराई और लोगों को बताया कि आने वाले समय में यदि वह पार्षद चुने जाते हैं वार्ड में किसी प्रकार की कोई भी गंदगी या नालियों में भरे मलबे को तुरंत की तुरंत सफाई कराई जाएगी और इसी प्रकार से कोई भी जगह पर गंदगी का ढेर नहीं लगाया जाएगा और ना ही कोई भी सड़क गड्ढों वाली कहलाई जाएगी आने वाले समय में होने वाले नगर निगम नगर पालिका के चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशियों के द्वारा लोगों को समझाया जा रहा है की आने वाला समय मैं वार्ड में राजा नहीं सेवक चुनने की जिम्मेदारी वार्ड के मतदाताओं की है और इस मौके पर लोग अपने अपने वार्ड से सेवक चुनकर कर ही पहुंचाएं न की राजा चुन कर।

आयुर्वेदिक दवाइ एंव निः शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

पुष्पांजली टुडे

मैसूरु. जिले के बबूर कस्बा में जे.एस.एस. कॉलेज एंव आयुर्वेदिक चिकित्सालय के देखरेख में एस.आर.पी.मार्ग पर स्थित तायंस विध्या संस्था परिसर में अश्विनी वैरिटेबल एंव बबूर रोटरी क्लब की ओर से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजन किया द्य जिसमें रक्तचाप,शुगर, हृदय जांच,चर्म रोग,मधुमेह,मूत्र जांच आदि करवा कर तीन हजारों से अधिक लोगों ने आयुर्वेदिक दवा का लाभ लिया द्य समाजसेवी बबूर महेन्द्र सिंह राजपुरोहित ने कस्बेवासियों को आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के बारे में जागृत किया तथा निश्चित होकर दवाओं का सेवन करने की बात कही द्य इस अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन रखा गया ।इस कार्यक्रम में अश्विनी वैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष राहुल गौड़ा, पर्यावरण जागृति वैदिके बबूर व रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष महेन्द्रसिंह राजपुरोहित, डॉ.राजीव,कार्यकर्ता कृष्ण स्वामी, प्रसन्ना,राजेन्द्रा सहित अन्य बड़ी सख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे द्य राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज बेंगलुरु,मैसूरु चिकित्सालय,एस.डी.एम. आयुर्वेदिक डॉ.प्रसन्ना,डॉ. नरसिम्हा राव,डॉ.सर्वेश्वर और डॉ.गजाणा,डॉ.बी.एन.रमेश,डॉ. चंद्रशेखर,भारती, मैसूरु से डॉ. पी.टी.,डॉ.केशवन आदि उपस्थित रहे।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ट्रक चालकों एवं क्लीनर्स को एच. आई. व्ही. एड्स के प्रति जागरूक किया।

फैमिली प्लानिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया की

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर शाख एवं लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना ट्रांसपोर्ट नगर द्वारा आज ट्रांसपोर्ट नगर पार्किंग नंबर पांच में ट्रक ड्राइवर्स एवं क्लीनर्स को एच. आई. व्ही.एड्स के प्रति जागरूक करने हेतु नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। नाटक का संचालन संस्था के कार्यक्रम अधिकारी श्री अच्छेंद्र सिंह कुशवाह द्वारा किया गया।उन्होंने एच. आई. व्ही.क्या है तथा इससे कैसे बचा जा सकता है। एस विषय पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी। साथ ही इसके लक्षणों पर भी चर्चा की नाटक टीम द्वारा सभी को ट्रक ड्राइवर्स एवं क्लीनर्स को नाटक करके एक एक स्टेप वाइस एच. आई. व्ही.एड्स के कारणों एवं लक्षणों पर जानकारी दी गई। कार्यक्रम में कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना के कॉउंसलर जितेंद्र शाक्य द्वारा की गई साथ ही उन्होंने सभी के स्वास्थ्य पर चर्चा की। नाटक करने वालों में निशा प्रजापति ,शिवानी पाल,दीपाली माहोर,सोनम जाटव , निशा माहौर सोनिया सिंह निशा वर्मा द्वारा किया गया साथ ही हस्तक्षेप परियोजना की ओर से श्री मोनू राय,श्री ,सलमान खान,अनुज तोमर,कल्याण रघुवंशी, सोबरन सिंह का मुख्य योगदान रहा।नाटक के माध्यम से 200 लोगों को जागरूक किया गया।

अबॉर्शन महिलाओं का निजी फैसला होना चाहिए

आज की महिलाओं को हर कोई आज़ाद और स्वच्छंद विचरण करने वाली बता रहा है, पर क्या किसीने सोचा है की जो फैसला महिलाओं का निजी होना चाहिए वही लेने के लिए आज़ाद नहीं। जी हाँ अपनी ही कोख में ठहरे गर्भ के साथ क्या करना है वो फैसला कुछ महिलाएं खुद नहीं ले सकती पति और परिवार वालों के दबाव में आकर अवांछित बच्चें पैदा करने पड़ते है। अगर दो बेटी है तो बेटे और पोते की चाह में पति और ससुराल वालों की मर्ज़ी को मानते तीसरा बच्चा हर हाल में पैदा करना पड़ता है।

बेशक माँ बनना हर औरत के लिए गर्व की बात है ईश्वर की ओर से मिला अनमोल वरदान है मातृत्व। पर कई बार लड़कियों के साथ ऐसा हादसा हो जाता है की उस विषम परिस्थितियों में गर्भपात अनिवार्य बन जाता है। ऐसे मामलों में हर महिला को ये अधिकार होना चाहिए ये फैसला लेने का की गर्भ का क्या करना है।

इसमें कोई शक नहीं की अबॉर्शन पर अमेरिका से बेहतर है भारत का कानून की गर्भपात महिला का निजी फैसला है।

प्रत्येक 150 मिनट में चार मास की बच्ची से लेकर 16 वर्ष तक की बच्ची के साथ दुष्कर्म होता है। दुष्कर्म से पीड़ित कई नाबालिग बच्चियों को गर्भ ठहर जाता है और मां बनना पड़ता है, जोकि ये गर्भ एक अनमना और लड़की के जीवन में बोझ कहलाता है। ऐसे में अबोर्शन ही आख़री इलाज होता है।

या कभी-कभी महिलाओं की सेहत से जुड़ी परेशानियों को देखते हुए उन्हें डॉक्टर द्वारा अबॉर्शन की सलाह दी जाती हैं फिर भी घरवालों को बच्चा चाहिए होता है इसलिए जान के जोखिम पर भी बच्चा पैदा करना पड़ता है। जैसे गर्भवती महिला को दिल या किडनी की बीमारी हो। कुपोषित महिलाओं को भी अबॉर्शन करवाने की

नोबत आती है क्योंकि प्रेग्नेंसी के दरमियान और डिलीवरी के वक्त उनकी जान को खतरा होता है। या तो गर्भ में पल रहे शिशु की स्थिति के अनुसार अबॉर्शन का फैसला लिया जाता है कभी बच्चे का विकास अटक जाता है, गर्भ सूख जाता है। ऐसे में अबॉर्शन पर रोक लगा देना तो महिलाओं की सेहत के साथ खिलवाड़ ही होगा।

पितृसत्तात्मक सोच वाले हमारे समाज में कई बार महिलाओं की सेहत से जुड़े फैसले लेने वालों में पुरुषों की मर्ज़ी को ही अहमियत दी जाती है। क्यूँकि पति और घरवालों को किसी भी कीमत पर बच्चा चाहिए होता है, ऐसे में महिला हितों की बात दब जाती है। ये फैसला महिलाओं की जान जोखिम में डाल सकता है। ऐसी परिस्थिति में महिलाओं को अबॉर्शन का अधिकार होना चाहिए।

कई मामलों में देखने को मिला है कि खानदान के वारिस की चाहत में महिलाओं को अपनी जान पर खेलकर भी बच्चा पैदा करवाया जाता है, और उनकी जान चली जाती है क्या ऐसे मामलों में महिलाओं की राय जरूरी नहीं, फैसला उन पर छोड़ना जरूरी नहीं? हमारे देश में तो कई बार गर्भ में लड़की होने पर महिलाओं का अबॉर्शन करवा दिया जाता है माँ क्या चाहती है ये पूछा तक नहीं जाता।

महिलाओं को गर्भपात के जोखिम से बचाने के लिए ÷बूंद पे बात÷ और ÷चुप्पी तोड़ बैठक÷ अभियान चलाकर झुग्गीवासियों में रहने वाली महिलाओं को जागरूक किया जा रहा है, ये बहुत गर्व की बात है। इस अभियान के माध्यम से उन्हें गर्भावस्था और असुरक्षित गर्भपात से निपटने के लिए तैयार किया जा सके। 18 से 30 साल की महिलाओं में अबॉर्शन ज्यादा होता है। इसका कारण लिव-इन रिलेशनशिप, गर्भ निरोधकों का इस्तेमाल न करना, बलात्कार और अनियोजित परिवार है। ऐसे में महिलाओं को जागरूक होने की जरूरत है। क्यूँकि अवांछित गर्भ ठहरना और गर्भपात करवाना अपने शरीर के साथ खिलवाड़ है। बच्चे कब चाहिए, किस उम्र में चाहिए कितने चाहिए, और बेटा बेटी में फ़र्क किए बग़ैर दो बच्चों के बाद और बच्चें पैदा करने है या नहीं ये तय करने का हक बेशक महिलाओं को मिलना चाहिए। आख़रि ये मुद्दा हर महिला की शारीरिक और मानसिक सेहत से जुड़ा होता है।

अगर कानून बनाना है तो अबॉर्शन की टाइम लिमिट पर बनना चाहिए न कि उसे रोकने के लिए। 24 सप्ताह की समय सीमा सभी महिलाओं के लिए नहीं है। रेप पीड़िता, नाबालिगों और भ्रूण की असामान्यताओं से पीड़ित महिलाओं पर ही लागू होती है। कुछ मस्तिष्क और हृदय संबंधी परेशानियां 20वें हफ्ते के बाद भ्रूण के स्कैन में नहीं दिखाई देती है इसके लिए 24 सप्ताह चाहिए इसलिए ये समय सीमा हर महिलाओं के लिए होनी चाहिए। और गर्भ रिलेटिड हर फैसला औरतों का खुद का होना चाहिए।

भावना ठाकर भावु बेंगलोर

न-टू-वन

तीस्ता सीतलवाड़ का पद्म पुरस्कार वापस लेने की मांग

भोपाल। मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने मंगलवार को सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ को दिए गए पद्म श्री' पुरस्कार को वापस लेने की मांग की, जिन्हें हाल ही में गुजरात पुलिस ने 2002 के गुजरात दंगों के सिलसिले में निर्दोष लोगों को फंसाने के लिए सबूत गढ़ने के मामले में गिरफ्तार किया था। केंद्र ने 2007 में सीतलवाड़ को विभिन्न क्षेत्रों में लोगों के योगदान को मान्यता देने के लिए देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में से एक पद्म श्री से सम्मानित किया था। मिश्रा ने मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में पिछली कांग्रेस सरकार पर अल्पसंख्यकों के तुष्टीकरण के लिए सीतलवाड़ को पुरस्कार देने का आरोप लगाया। वह पुरस्कार वापसी' गिरोह (पुरस्कार वापस करने की धमकी देने वालों) की सदस्य थीं। ऐसे लोगों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के मद्देनजर तीस्ता जावेद सीतलवाड़ जैसे लोगों से पुरस्कार वापस लिया जाना चाहिए, जिनका आचरण संदिग्ध हो जाता है और गिरफ्तार कर लिया गया है, मंत्री ने कहा, जो राज्य सरकार के प्रवक्ता भी हैं। गुजरात आतंकवाद निरोधी दस्ते ने शनिवार को सीतलवाड़ को उसके मुंबई स्थित घर से उठाया था। बाद में उसे अहमदाबाद ले जाया गया और वहां की अपराध शाखा को सौंप दिया गया। अहमदाबाद की एक अदालत ने 2002 के गुजरात दंगों के सिलसिले में निर्दोष लोगों को फंसाने के लिए सबूत गढ़ने के मामले में रविवार को सीतलवाड़ को दो जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। सुप्रीम कोर्ट ने 2002 के गोधरा दंगों के बाद के मामलों में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य को एक विशेष जांच दल (एसआइटी) द्वारा दी गई क्लीन चिट को चुनौती देने वाली याचिका को शुक्रवार को खारिज कर दिया। सीतलवाड़ और उनका एनजीओ सुप्रीम कोर्ट में मोदी और अन्य के खिलाफ दायर याचिका में जकिया जाफरी (दंगों में मारे गए कांग्रेस नेता एहसान जाफरी की पत्नी) के साथ सह-याचिकाकर्ता थे।

अब तक 1192 गैर लाइसेंसी हथियार जप्त

भोपाल। पंचायत एवं नगरीय निकाय आम निर्वाचन-2022 में प्रदेश में कानून-व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। अभी तक प्रदेश में 1192 गैर लाइसेंसी हथियार (आर्म्स) जप्त किये जा चुके हैं। प्रदेश में 2 लाख 57 हजार 858 लाइसेंसी हथियार जमा करवाये गए हैं। प्रिवेन्टिव सेक्सन ऑफ सीआरपीसी में एक लाख 53 हजार 487 व्यक्तियों के विरूद्ध कार्यवाही की गयी है। अभी तक 18 हजार 294 गैर जमानती वारंट की तामीली भी की गयी है। सचिव राज?य निर्वाचन आयोग राकेश सिंह ने जानकारी दी है कि एक जून से 27 जून 2022 तक प्रदेश में 43 हजार 553 बल्क लीटर मदिरा जप्त की गयी है। जप्त की गयी मदिरा का अनुमानित मूल्य 4 करोड़ 89 लाख 47 हजार 944 रूपये है। सर्वाधिक 12 हजार 699 बल?क लीटर मदिरा धार में जप्त की गयी है। मदिरा का अवैध परिवहन करते हुए जिला मुरैना में एक चार पहिया वाहन, जिला नमर्दापुरम में एक दो पहिया एवं 2 चार पहिया वाहन, जिला इंदौर में एक 2 पहिया वाहन, जिला धार में 2 दो पहिया एवं 2 चार पहिया वाहन, जिला देवास में 3 दो पहिया वाहन, जिला दमोह में एक दो पहिया वाहन और जिला सतना में एक दो पहिया वाहन जप्त किया गया है।

पोलियो रोधी टीकाकरण टीम पर हमला, दो पुलिसकर्मियों सहित तीन लोगों की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत उत्तरी वजीरिस्तान कबायली जिले में अज्ञात हमलावरों ने पोलियो रोधी टीकाकरण करने गई टीम पर हमला कर दिया, जिसमें दो पुलिसकर्मियों सहित तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। अफगानिस्तान से लगे जिले में साल 2022 में पोलियो के नौ मामले सामने आ चुके हैं, जिसके खिलाफ टीकाकरण अभियान के सिलसिले में एक टीम घर-घर जा रही थी। तभी बंदूकधारियों ने टीम पर हमला कर दिया, जिसमें टीम के एक सदस्य और उन्हें सुरक्षा प्रदान कर रहे दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हालिया समय में पाकिस्तान में पोलियो रोधी टीकाकरण अभियानों में शामिल कर्मियों पर हमले बढ़े हैं। इस साल मार्च में उत्तर पश्चिमी पाकिस्तान में बंदूकधारियों ने एक महिला पोलियो कर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी थी, जो पोलियो रोधी अभियान में हिस्सा लेकर लौट घर लौट रही थी। पिछले साल जनवरी में, बंदूकधारियों ने उत्तर पश्चिमी पाकिस्तान में पोलियो टीकाकरण कर्मियों की टीम की सुरक्षा कर रहे एक पुलिस अधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया में पाकिस्तान और अफगानिस्तान ही ऐसे देश हैं, जहां पोलियो खत्म नहीं हुआ है।

अमेरिका में अब अवैध गर्भपात पर अदालत ने के फैसले के बाद विरोध प्रदर्शनों का दौर

न्यू ऑर्लीन्स, अमेरिका। अमेरिका की सर्वोच्च अदालत द्वारा रो बनाम वेड मामले में फैसला सुनाए जाने के बाद लुइसियाना और यूटा की अदालतों ने गर्भपात पर लगे प्रतिबंधों पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी जबकि साउथ कैरोलीना की एक संघीय अदालत ने कहा कि गर्भधारण के छह सप्ताह बाद गर्भपात नहीं कराया जा सकता। उच्चतम न्यायालय द्वारा गर्भपात को मिले संवैधानिक संरक्षण को शुक्रवार को खत्म करने के बाद कई याचिकाएं दायर की गई हैं। एक पक्ष चाहता है कि प्रतिबंध तत्काल लागू हों और दूसरा पक्ष ऐसे कदमों को रोकने या इन्हें लागू करने के लिए और समय की मांग कर रहा है। सोमवार को अदालतों की अधिकांश गतिविधि ट्रिगर कानूनों पर केंद्रित थी जिन्हें 13 राज्यों द्वारा अपनाया गया है। इन्हें, गत सप्ताह शीर्ष अदालत के फैसले के बाद तत्काल लागू करने के उद्देश्य से बनाया गया था।

बागी बिगाड़ेंगे भाजपा-कांग्रेस के प्रत्याशियों का समीकरण

-प्रदेश में महापौर चुनाव में कांग्रेस के 4, भाजपा के 3 बागी मैदान में

भोपाल। प्रदेश में नगरीय निकाय चुनाव का घमासान चरम पर पहुंच गया है। भाजपा के साथ ही कांग्रेस ने भी अपना पूरा दम लगा दिया है। दोनों पार्टियों का सबसे अधिक फोकस महापौर के प्रत्याशियों की जीत पर है। नगरीय निकाय चुनाव में डैमेज कंट्रोल में जुटी भाजपा और कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। दोनों दलों की बागियों को मनाने की कवायद फेल हो गई। 16 में से 6 नगर निगमों में 7 ऐसे उम्मीदवार चुनाव मैदान में ताल ठोंक रहे हैं, जिन्होंने महापौर की कुर्सी के लिए पार्टी से बगावत की है। इनमें कांग्रेस के 4 और भाजपा के 3 नेता हैं। कांग्रेस महिला मोर्चा ग्वालियर की पूर्व जिला अध्यक्ष रुचि गुप्ता और सतना में कांग्रेस के सईद अहमद ने तो चुनाव लडऩे के लिए पार्टी ही बदल ली। अहमद बसपा के टिकट पर किस्मत आजमा रहे हैं। रुचि आम आदमी पार्टी से चुनाव लड़ रही हैं। हालांकि, छिंदवाड़ा में भाजपा से बागी हुए जितेंद्र शाह को भाजपा ने मना लिया है, लेकिन वे चुनाव मैदान में बने रहेंगे। पहले उम्मीदवार चयन में माथापच्ची चली। अब कई बागियों के मैदान में आने से मुसीबतें बढ़ी हुई हैं।

बागियों की तरफ से नामांकन भरे जाने के बाद पार्टी की ओर से उन्हें मनाने की हरसंभव कोशिश की गई। इसमें कुछ हद तक सफलता भी मिली, लेकिन जो तस्वीर निकलकर सामने आई है, वह बता रही है कि भाजपा और कांग्रेस की प्रेशर पॉलिटिक्स बागियों पर ज्यादा असर नहीं डाल पाई है। अब देखना होगा कि नगरीय निकाय चुनाव में सियासी दलों के बागी भाजपा और कांग्रेस का गणित कितना बिगाड़ पाते हैं। अब दोनों ही दलों के सामने बागियों को पार्टी से बाहर करने का आखिरी विकल्प है। यह चुनाव दोनों के लिए इसलिए भी अहम है, क्योंकि अगले साल विधानसभा चुनाव से पहले इसे सेमीफाइनल माना जा रहा है।

मैदान में 145 महापौर उम्मीदवार: तीसरे दल और निर्दलीय के तौर पर बड़ी संख्या में बागी अब भी मैदान में हैं। नामांकन वापसी के आखिरी दिन भाजपा और कांग्रेस की बागियों को मनाने की कोशिशों के बावजूद सिर्फ 32 महापौर उम्मीदवारों ने नाम वापस लिए, जबकि 4 उम्मीदवारों के नामांकन त्रुटि के कारण निरस्त कर दिए गए। अब प्रदेश की 16 नगर निगम में महापौर पद के लिए कुल 145 उम्मीदवार चुनाव मैदान में ताल ठोंकते नजर आ रहे हैं।

ग्वालियर में आप प्रत्याशी ने बढ़ाई चिंता: ग्वालियर में महापौर पद के लिए 7 महिला उम्मीदवार मैदान में हैं। इस बार नगर निगम ग्वालियर का महापौर पद सामान्य महिला वर्ग के लिए आरक्षित है। भाजपा से सुमन शर्मा और कांग्रेस से डॉ। शोभा सतीश सिकरवार में आमने-सामने का मुकाबला है। टिकट न मिलने से नाराज कांग्रेस महिला मोर्चा की पूर्व जिलाध्यक्ष व प्रदेश महिला मोर्चा की सदस्य रहीं रुचि गुप्ता ने पार्टी से बगावत कर ली। वह आम आदमी पार्टी की सदस्यता लेकर चुनाव मैदान में उतर गई हैं।

देवास में कांग्रेस को बागी से खतरा: देवास में महापौर के चुनाव में त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल सकता है। यहां भाजपा से गीता अग्रवाल और कांग्रेस से विनोदिनी व्यास उम्मीदवार हैं, लेकिन प्रदेश कांग्रेस महासचिव शिवा चौधरी की बहू मनीषा चौधरी के निर्दलीय मैदान में उतरने से खेल बिगड़ सकता है। शिवा ने संगठन से मनीषा के लिए टिकट मांगा था, लेकिन उन्हें टिकट नहीं मिला। नाम वापसी के अंतिम दिन तक संगठन ने उन पर नामांकन वापस लेने का दबाव बनाया, लेकिन उन्होंने मैदान नहीं छोड़ा है। देवास में महापौर पद के लिए कुल 6 उम्मीदवार मैदान में हैं। भाजपा-कांग्रेस के अलावा आम आदमी पार्टी से चाना ज्ञानेश, बसपा से निकिता सूर्यवंशी भी मैदान में हैं।

रतलाम में भाजपा को बागी से टेंशन: नगर निगम महापौर पद के लिए भाजपा और कांग्रेस में सीधा मुकाबला है। महापौर पद के लिए यहां कुल 7 उम्मीदवार मैदान में हैं। जिसमें भाजपा से बागी होकर चुनाव लड़ रहे अरुण राव भाजपा के लिए नुकसानदेह साबित हो सकते हैं। निर्दलीय महापौर चुनाव लड़ रहे राव तीन बार पार्षद रह चुके हैं।

भाजपा पूरी तरह से चुनावी मोड़ में मैदानी स्तर पर सभी मोर्चा प्रकोष्ठ सक्रिय

जबलपुर। भारतीय जनता पार्टी पूरी तरह से चुनावी मोड़ में आ चुकी है। महापौर के साथ-साथ पार्षदों के चुनाव को लेकर सभी जिम्मेदारों के नटबोल्ट टाईट किये जा रहे है। जो लोग नाराज होकर इधर-उधर घूम रहे थे उन्हें अपनी मनपंसद जगहों पर काम पर लगा दिया गया है। पार्टी ने साफ संदेश दिया है कि काम करों दंदपंसद बरर्दाश्त नहीं किया जायेगा। बूथ समितियों के त्रिदेव से लेकर पन्ना समितियों और सभी मोर्चा प्रकोष्ठों को चुनावी मोर्चों पर प्रंसट में नजर आने के निर्देश दे दिए गए है। पिछले दिनों भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी.डी.शर्मा अपने जबलपुर प्रवास के दौरान पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को उनकी जिम्मेदारियां बता गये है साथ ही गड़बड़ करने वालों की निगरानी के लिये भी व्यवस्था कर गए है। बी.डी. के जाने के बाद जबलपुर के सांसद राकेश सिंह सहित सभी प्रमुख दिग्गजों शरद जैन, प्रभात साहू, अंचल सोनकर, अखिलेश जैन, अशोक रोहाणी, हरेन्द्र सिंह बब्बू, सुमित्रा बाल्मीक, आशीष दुबे, ने भी पार्टी कार्यकर्ताओं को रिचार्ज करना शुरु कर दिया है।

समझौता एक्सप्रेस से गलती से पाक पहुंचीं गीता ने वहाँ गुजारे 15 साल

गीता का असली नाम है राधा, पाक मे जिद करके बनवाया मदिंर, बनान चाहती है टीचर

भोपाल। लबें चले सघर्ष के दौरान सालो बाद पाकिस्तान से वापस भारत लौटी गीता को उसका असली परिवार आखिरकार महाराष्ट्र के बजरंगी में मिल गया है। इस संबंध में भोपाल जीआरपी ने गीता, उसकी मां और बड़ी बहन को लेकर एक प्रेस कांन्फ्रेंस आयोजित कर गीता के बारे मे सारी जानकारी दी। इस दौरान गीता ने मीडिया, पुलिस और प्रशासन का आभार जताने के साथ ही अपनी जीवन के कई साल जो पाकिस्तान में गुजारे उसके अनुभव भी शेयर किये। ट्रासलेटर की मदद से साइन लैंग्वेज में अपनी कहानी बताते हुए गीता ने बताया कि वो बचपन से पढ़ी नहीं थी। पहले मे पाकिस्तान के कराची में रही फिर लाहौर आई। ओर भविष्य मे मूक बधिरों की टीचर बनाना चाहती है। गीता ने कहा उसे भारत पसंद हैं, ओर वो गलती से पाकिस्तान चली गई थी। गीता ने बताया कि कराची में जिद करके उसने मंदिर बनवाया था। प्रैस काफ्रेंस के दौरान भोपाल रेल आईजी महेंद्र सिंह सिकरवार ने बताया कि समझौता एक्सप्रेस से गलती से किशोरी पाकिस्तान चली गई थी। उसने साइन लैंग्वेज से काफी मुश्किल से लोगो को बताया कि उनका नाम कृष्ण भगवान से रिलेटेड है। इसके बाद की गई काफी कोशिशो से पता चला कि उसका नाम राधा है, लेकिन लोग उसे गीता के नाम से जानते हैं। महेंद्र सिंह सिकरवार ने आगे बताया कि गीता के परिवार के साथ इंदौर के दो कॉन्स्टेबल उसकी तलाश मे जुटे थे। करीब 6 साल की मेहनत के बाद गीता को उसका असली नाम और परिवार मिल गया है। गीता के पहचान उसके परिवार ने पेट की निशानी के आधार पर की है। गोरतलब है कि 22 साल पहले साल साल 2000 में गीता अपने परिवार से बिछड़कर गलती से पाकिस्तान चली गयी थी। उसने 15 साल पाकिस्तान में गुजारे। उसके बाद उसे साल 2015 से काफी कोशिशो के बाद भारत लाया गया। भारत आने के बाद उसके परिवार की तलाश जारी रही। अब 5 साल बाद उसका परिवार उसे मिल गया है। इन 6 साल में गीता इंदौर, भोपाल और मुंबई में रही। गौरतलब है कि पूर्व विदेश मंत्री स्व सुषमा स्वराज ने गीता की काफी मदद की थी, और उसकी पूरी देखभाल की जिम्मेदारी ली थी। किंतु अचानक उनका निधन हो गया था, इसके बावजूद शासन-प्रशासन लगातार गीता के परिवार की तलाश मे लगा रहा।

मुख्यमंत्री का रोड शो: भाजपा की माधुरी के लिए हाथ जोड़कर मांगे वोट

बुरहानपुर। निकाय चुनाव में भाजपा की महापौर प्रत्याशी माधुरी अतुल पटेल के लिए रोड शो करने बुरहानपुर पहुंचे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान दोपहर 2 बजे गणपति मंदिर पहुंचे यहां उन्होंने मंदिर में शीश नवा पूजा अर्चना कर रोड शो के लिए रवाना हुए इस रोड शो में भाजपा की महापौर प्रत्याशी माधुरी अतुल पटेल पूर्व मंत्री अर्चना चिटनीस उनके साथ थी गणपति नाके से प्रारंभ हुआ रोड शो 12 किलोमीटर चलकर उपनगर लालबाग पहुंचकर समाप्त हुआ 2 घंटे के अल्प प्रवास के अवसर पर भाजपा ने 9 से अधिक नुक्कड़ सभाओं की अनुमति ले रखी थी परंतु समय अभाव के चलते मुख्यमंत्री इन नुक्कड़ सभाओं को संबोधित नहीं कर सके 12 किलोमीटर के इस लंबे रोड शो के दरमियान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान मुस्लिम बहुल क्षेत्र इकबाल चौक पहुंचे जहां भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष अजहर उल हक के नेतृत्व में मुख्यमंत्री का जोरदार स्वागत किया गया इस अवसर पर अल्पसंख्यक मोर्चे की पूरी टीम मौजूद रही मुख्यमंत्री यहां नुक्कड़ सभा को संबोधित करने वाले थे परंतु समय कम होने के चलते यहां भी नुक्कड़ सभा आयोजित नहीं हो सकी मुख्यमंत्री का भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में होने वाला यह रोड शो फीका फीका स रहा मुख्यमंत्री सहित कार्यकर्ताओं में जोश की कमी देखी गई रोड शो में भाजपा के उत्साही कार्यकर्ताओं की कमी के बीच दो दर्जन से अधिक वाहनों का काफिला जरूर शामिल रहा गणपति मंदिर से आरंभ हुआ।

यूक्रेन के मददगार बोरिस जॉनसन ने जेलेंस्की को भेजा यूके आने का आमंत्रण, क्वीन एलिजाबेथ से कराएंगे भेंट

लंदन। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध लगातार चल रहा है। ब्रिटेन यूक्रेन की हर प्रकार से सहायता कर रहा है। यूक्रेन यूरोपीय संघ की सदस्यता के लिए प्रयासरत जुटा है। इस बीच ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति

वोलोडोमिर जेलेंस्की को लंदन आने का न्योता भेजा है। बोरिस जॉनसन ने कहा कि जेलेंस्की को लंदन आना चाहिए और महारानी एलिजाबेथ-2 से मुलाकात करनी चाहिए। ब्रिटिश पीएम ने हाल ही में यूक्रेन का दौरा किया था। जेलेंस्की के साथ उन्होंने कीव की सड़कों पर युद्ध के हालात का जायजा भी लिया था। ब्रिटेन ने इस जंग में यूक्रेन की हर संभव मदद का ऐलान किया है। ब्रिटेन ने जंग के लिए यूक्रेनी सेना को कई हथियार भी मुहैया कराए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, जेलेंस्की की ये यात्रा अक्टूबर में प्रस्तावित है। बोरिस जॉनसन की कंजर्वेटिव पार्टी ने पहले ही इस विचार को मंजूरी दे दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, जॉनसन यूक्रेनी राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की के साथ समन्वय बनाना चाहते हैं, ताकि क्वीन एलिजाबेथ के साथ पूर्ण राजकीय मुलाकात के लिए सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता किया जा सके। उल्लेखनीय है कि क्वीन एलिजाबेथ 1952 में राजगद्दी पर बैठी थीं। हाल ही में उनके शासन को 70 साल पूरे हुए हैं। बीते दिनों अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने लंदन की यात्रा की थी और महारानी से मुलाकात भी की थी। इससे पहले ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने 17 जून को कीव का अचानक दौरा किया था। इस दौरान यूक्रेन जंग पर बातचीत के बाद उन्होंने ज़ेलेंस्की को क्वीन एलिजाबेथ पर लिखी गई रॉबर्ट हार्डमैन की एक किताब गिफ्ट की थी।

जर्मनी जी-7 शिखर सम्मेलन में शिरकत करने के बाद पीएम मोदी यूएई के लिए रवाना

म्यूनिख। जर्मनी में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन में शिरकत करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के लिए रवाना हो गए। पीएम मोदी ने जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के साथ ही उससे इतर दुनिया के कई देशों के नेताओं से द्विपक्षीय मुलाकात भी की। एक खबर के मुताबिक विदेश मंत्रालय ने ट्वीट किया कि 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए की गई जर्मनी की यात्रा समाप्त की। इस दौरान उन्होंने वैश्विक चुनौतियों के स्थाई समाधानों पर दो दिन तक उपयोगी वार्ता की। प्रधानमंत्री मोदी अब अबू धाबी रवाना होंगे। जहां वह कुछ देर रुकेंगे। इसके बाद वह नई दिल्ली पहुंचेंगे।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र खाड़ी देश जाकर यूएई के पूर्व राष्ट्रपति शेख खलीफा बिन जायद अल नाहयान के निधन पर व्यक्तिगत रूप से शोक व्यक्त करेंगे। गौरतलब है कि नाहयान का लंबी बीमारी के बाद 13 मई को निधन हो गया था। वह 73 वर्ष के थे। नाहयान 2004 से यूएई की सत्ता के शिखर पर जमे हुए थे। पीएम नरेंद्र मोदी ने नाहयान के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें एक ऐसा महान और दूरदर्शी राजनेता करार दिया था, जिनके नेतृत्व में भारत और यूएई के संबंध समृद्ध हुए। जर्मनी से यूएई के लिए रवाना होते हुए पीएम मोदी ने ट्वीट किया कि 'एक उपयोगी यात्रा के बाद जर्मनी से रवाना हो रहा हूं। इस यात्रा के दौरान मैंने जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया, दुनिया के कई नेताओं के साथ वार्ता की और म्यूनिख में एक यादगार सामुदायिक कार्यक्रम में शिरकत की। हमने वैश्विक कल्याण और समृद्धि को आगे बढ़ाने पर केंद्रित कई मुद्दों पर चर्चा की।' प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि 'मैं इस यात्रा में जर्मनी के लोगों, जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज और जर्मन सरकार को उनके आतिथ्य सत्कार के लिए धन्यवाद देता हूं। मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में भारत-जर्मनी की दोस्ती नई ऊंचाइयों को छुएगी।'

तालिबानी रवैये के चलते भारत और अन्य देशों में आर्थिक संकट से जूझ रहे अफगानी दूतावास

काबुल। अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान को एक साल होने के करीब है पर उसने केवल 4 देश, रूस, पाकिस्तान, चीन और तुर्केमिनिस्तान में अपने राजदूत भेजे हैं। हालांकि इन देशों ने भी अफगानिस्तान के इस नए शासक को औपचारिक राजनयिक मान्यता नहीं दी है। खबर के मुताबिक दिल्ली में मौजूद दूतावास में तो अभी तक अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अशरफ गनी की तस्वीर और उनके प्रशासन का झंडा लगा हुआ है। भारत सरकार ने दिल्ली में मौजूद दूतावास को पिछली सरकार के विस्तार के रूप में कार्य करने की अनुमति दी है, 1996 से 2001 के बीच जब तालिबान सत्ता पर काबिज हुई थी तब भी दूतावास ने पूर्व राष्ट्रपति बुरहानुद्दीन रब्बानी की सरकार का प्रतिनिधित्व करना जारी रखा था। भारत में अफगानिस्तान के दूतावास

अधिकारियों का कहना है कि दूतावास अभी भी पुरानी सरकार जिसने उन्हें नियुक्त किया था उन्ही के नियमों का पालन कर रहा है। और हम तालिबान से आदेश नहीं ले रहे हैं। तालिबान दुनियाभर में अफगान के कामकाज को अपने हाथों में लेना चाहता है, लेकिन वह ऐसा करने में सक्षम नहीं है, आर्थिक तंगी इसके पीछे की एक अहम वजह है। अफगानिस्तान की आर्थव्यवस्था तालिबान के अफगानिस्तान पर कब्जा करने के वक्त से चरमराई हुई है। विदेशी मदद पूरी तरह से बंद पड़ी है और देश की संपत्ति पर भी रोक लगी हुई है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय समुदायों ने मानव अधिकार और महिलाओं के बर्ताव के मुद्दे को लेकर धन रोक दिया है।

दिल्ली दूतावास के अधिकारियों का कहना है कि अन्य देशों में भी अधिकांश समकक्षों का यही कहना है कि केवल एक शर्त पर शासन के नियंत्रण को स्वीकार करेंगे। तालिबान को पहले एक राष्ट्रीय सरकार बनानी चाहिए जो समावेशी हो और महिलाओं को उनके अधिकार देती हो। सत्ता में आते ही तालिबान ने उदार रवैया अपनाने की बात कही थी साथ ही महिलाओं को उनके अधिकार देने का विचार भी पेश किया था। लेकिन ऐसा कुछ हुआ नहीं। दूतावास अभी भी पूर्व गणराज्य के नाम पर ही वीजा और पासपोर्ट जारी करने और नवीनीकृत करने का काम कर रहा है, जिसे तालिबान सरकार सम्मान के साथ स्वीकार कर रही है, यहां तक कि तालिबान के नेता भी गणराज्य के पासपोर्ट पर ही यात्रा कर रहे हैं। हालांकि तालिबान के सत्ता में आने के बाद से भारत से अफगानिस्तान जाने वाले लोगों में भारी कमी आई है। दिल्ली मे अफगान दूतावास का अनुमान है कि करीब 1 लाख अफगान नागरिक भारत में रहते हैं, राजदूत का कहना है कि इनमें से करीब 30,000-35,000 अफगान शरणार्थी और करीब 15000 छात्र हैं। दूतावास का कहना है कि गनी सरकार के जाने के बाद भारत में अफगान मिशन में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज हुई है। एक वक्त था जब यहां से हर हफ्ते 10-15 फ्लाइट जाती थीं। व्यापार की स्थिति बेहतर थी। लेकिन अब कुछ भी नहीं है और राजस्व में 80 फीसदी की गिरावट आई है। यही हाल दूसरे देशों में भी है। मई में अमेरिका ने वॉशिंगटन डीसी के अफगानिस्तान दूतावास और न्यूयॉर्क और लॉस एंजेल्स के कॉन्सुलेट को अपने अधिकार में ले लिया था क्योंकि दूतावास बुरी तरह आर्थिक अभाव से जूझ रहा था और स्थिति बुरी तरह से अस्थिर थी। भारत में भी दूतावास पैसों पैसों के लिए मोहताज हो रहा है। दिल्ली में दूतावास के पास खुद की इमारत है इसलिए मुख्य भवन और स्टाफ क्वार्टर के किराए के पैसे बच रहे हैं।

ग्वालिययर दक्षिण, ग्वालियर पूर्व तथा ग्वालियर विधानसभा के कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित

महापौर प्रत्याशी सुमन शर्मा एंव पार्षद प्रत्याशियों को भारी मतों से विजयी बनाएं, जिससे ग्वालियर विकास की और दौड़ सकें- नरेंद्र सिंह तोमर

ग्वालियर। हर जगह भाजपा जीते इसके लिए कार्यकर्ता नगरीय निकाय चुनावों में प्राण-पण से जुट गए हैं। जब पिछले नगरीय निकाय चुनाव हुए थे तब 16 की 16 नगर निगम भाजपा के पक्ष में थीं और मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस बार भी 16 की 16 नगर निगमों में भाजपा सत्ता में आ रही है। यह बात आज केंद्रीय मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने शिखा वाटिका, कंपू पर आयोजित ग्वालियर दक्षिण, वृंदावन वाटिका, बिरलानगर पर आयोजित ग्वालियर विधानसभा तथा शालीमार गार्डन, थाटीपुर पर आयोजित ग्वालियर पूर्व के कार्यकर्ता सम्मेलनों में संबोधित करते हुए कही।

श्री तोमर ने कहा कि चुनाव में हमेशा एक प्रतिस्पर्धा होती है, प्रतिस्पर्धा में कभी भी किसी को कमजोर नहीं समझना चाहिए। आज कार्यकर्ताओं की मेहनत से भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। हमारी पार्टी विचारधारा आधारित पार्टी है, कार्यकर्ता आधारित पार्टी है, जबकि अन्य पार्टियों में विचार, दृष्टि और राजनैतिक सोच का अभाव है। कार्यकर्ता आधारित राजनैतिक दल होने के कारण भाजपा एकमात्र ऐसा राजनीतिक दल है जिसमें एक सामान्य कार्यकर्ता को भी बड़ी जिम्मेदारी दे दी जाती है, यह तासीर और ताकत केवल भाजपा के पास है, जबकि विपक्षी पार्टी कांग्रेस टूट रही है। बेटा-बेटी से उभर नहीं पा रही है। कांग्रेस पार्टी को टूटना मंजूर है, लेकिन उनका नेतृत्व कार्यकर्ताओं की नहीं सोच रहा है।

उन्होंने कहा कि महापौर पद की प्रत्याशी श्रीमती सुमन शर्मा एक अच्छी कार्यकर्ता हैं, योग्य हैं, संगठन की समझ रखती हैं, पढ़ी-लिखी हैं, संगठन कार्यों में सक्रिय हैं और समाज सेवा के क्षेत्र में ग्वालियर महानगर में एक जाना-पहचाना नाम हैं। कांग्रेस नेतृत्व और भाजपा नेतृत्व में यहीं अंतर है जितना जमीन और आसमान में अंतर है और यही अंतर दोनों प्रत्याशियों के बीच है।

उन्होंने कहा कि जनता जानती है कि कांग्रेस की सरकार जब होती है तब विकास नहीं होता और भाजपा की सरकार में विकास होता है। 2003 में मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार बनीं, ग्वालियर की क्या स्थिति थी और आज इन 17 सालों में ग्वालियर के विकास की तस्वीर और तकदीर हमारी प्रदेश सरकार और केंद्र की मोदी सरकार एवं नगर की नगरीय सरकार ने बदली है। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने ग्वालियर को स्मार्ट शहर योजना में शामिल किया। उमृत योजना, ग्वालियर की चौड़ी सड़कें, एक हजार बिस्तर का अस्पताल, सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल एवं चंबल से ग्वालियर पानी लाने की योजना जैसी अनेक विकास योजनाएं हमारी सरकार लाई। हमारी सरकारों ने ग्वालियर की तस्वीर एवं तकदीर बदलने का कार्य किया है। हम भाजपा के कार्यकर्ता हैं हमारी राजनैतिक यात्रा तब तक निरंतर चलने वाली है जब तक एक-एक गरीब का जीवन बदल न जाएं। ग्वालियर में अभी बहुत कार्य करना है। केंद्र सरकार और प्रदेश की शिवराज सरकार जब ग्वालियर के लिए कार्य करती हैं तो नोडल एजेंसी ग्वालियर नगर निगम होता है, इसलिए सुमन शर्मा एवं पार्षद प्रत्याशियों को भारी मतों से विजयी बनाइए जिससे ग्वालियर विकास की और दौड़ सकें।

उन्होंने कहा कि चुनाव में जीत जनता के आशीर्वाद से होती है। प्रत्याशियों को जनता का आशीर्वाद मिलें उसके पुल का कार्य कार्यकर्ताओं को करना पड़ता है। 6 जुलाई को मतदान का दिन है, समय अधिक नहीं है। आप समस्त कार्यकर्ताबंधु परिश्रम की पराकाष्ठा करें, अपने वार्ड से भाजपा पार्षद प्रत्याशियों और महापौर प्रत्याशी श्रीमती सुमन शर्मा को भारी मतों से विजयी बनाएं। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं से दोनों हाथ उठाकर विजय का संकल्प दिलया।

वीरसपूत ही बलिदानी पथ पर हँसते हँसते जाते हैं: कर्नल आकाश शर्मा

ग्वालियर। भारतीय सेना ने 1962 का भारत चीन युद्ध हो या फिर 1965 का भारत पाकिस्तान युद्ध या 1971 का भारत पाकिस्तान युद्ध हो इन सभी युद्धों में एक बात सामने आई कि हमारी सेना और हमारे वीर सैनिक किसी भी परिस्थिति में जोखिम उठाने के लिए तैयार रहते हैं 1999 कारगिल युद्ध ऐसी ही वीर गाथा का गवाह है गहरी गहरी हजारों फुट गहरी खा इयों से गिरी ऊंची ऊंची पहाड़ियां जिनमें दुश्मन बनकर बनाकर सुरक्षित बैठा है जहां सांस लेना कठिन है ऑक्सीजन की अत्यंत कमी होने के बाद भी उबड़ खाबड़ क्षेत्र जहां चोटियों पर पहुंचने के लिए रास्ता ना हो ऐसे में चोटियों पर बैठे दुश्मन से मुकाबला करना बड़ा ही दुष्कर कार्य था लेकिन हमारे बहादुर सैनिकों ने अपने हौसलों से ऐसे दुर्गम क्षेत्र में छुपे बैठे दुश्मन तक पहुंच कर उनकी गर्दनों को मरोड़ा उनको मारा एवं मां भारतीय के भूभाग को दुश्मन से मुक्त कराया इस ऑपरेशन में हवलदार सरमन सिंह टाइगर हिल्स पर दुश्मनों के ठिकाने पर बब्बर शेर की भांति टूट पड़े और वहां छिपे बैठे दुश्मनों को बिना अवसर दिए मार गिराया दूर छुपे दुश्मन ने सरमन सिंह की तरफ हैंड ग्रेनेड फेंका जिससे सरमन सिंह बलिदानी पथ पर हंसते हंसते चले गए कारगिल युद्धविजय में हमारे सेना के 527 जवानों ने बलिदानी पथ को चुना इन सभी के चरणों में कोटि कोटि नमन करता हूं।

जीवन की आखरी सांस तक आपकी सेवा और सम्मान के लिये समर्पित रहूँगी : डॉ. शोभा सिकरवार

कांग्रेस उम्मीदवार डॉ. शोभा सिकरवार का जगह-जगह हुआ जोशीला स्वागत

ग्वाल्यिर। जीवन की आखरी सांस तक आपकी सेवा और सम्मान के लिये समर्पित हूँगी। सर्वहारा वर्ग का सम्मान मेरा परिवार करता आया है और करता रहेगा। आप मुझे पांच साल सेवा करने का अवसर प्रदान करें, ग्वालियर को विकास व प्रगति में प्रदेश में अव्वल बनायेगें। बदलाव की क्वार चल रही है। हर गली मोहल्ले में कांग्रेस ही कांग्रेस नजर आ रही है। हमने 15 साल पार्षद के रूप में जनसेवा की है और अपने क्षेत्र में अनेक विकास कार्य किये है। हम अब आपके सहयोग से 66 वार्डो की तस्वीर बदलना चाहते हैं। यह बात कांग्रेस पार्टी की महापौर पद की उम्मीदवार डॉ.श्रीमती शोभा सिकरवार ने विभिन्न वार्डो में जनसम्पर्क के दौरान आम जनमानस के बीच करते हुये कही।

कांग्रेस महापौर पद की उम्मीदवार डॉ.श्रीमती शोभा सिकरवार ने वार्ड कमांक 46 व 47 में घर-घर जाकर मतदाताओं से आर्शीवाद लिया। महिलाओं ने तिल्क लगाकर पुष्पहार पहनाकर जोरदार स्वागत कर कांग्रेस को विजयश्री दिलाने का संकल्प दोहराया। जनसम्पर्क के दौरान डॉ.श्रीमती शोभा सिकरवार ने कहा कि मंहगाई, बैरोजगारी से ही नही पानी की जगह जगह समस्या, खस्ता हाल सड़कें उफनती सीवर लाईनों समेत मुझे अनेक समस्याये देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि सत्ता में बैठे लोगों को जनता की समस्यायें नजर नहीं आती है। झुठ और फरेब की राजनीति करने वाले बताये कि उन्होंने क्या विकास किया है। जनता को राहत देने के लिये कभी कोई कदम नही उठाया, टैक्स पर टैक्स बढ़ाते गये और अब गार्बेज शुल्क भी लग्ना दिया। हम आपको भरोसा दिलाते है कि मुझे सेवा करने का अवसर दीजिये, हम गार्बेज शुल्क खत्म करेगें। सम्पत्तिकर व अन्य टैक्सों में जनता को बड़ी राहत दी जावेगी। गरीब व कमजोर वर्ग के लोगों को अनेक राहत देंगे। इसके साथ ही विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने आज वार्ड कमांक 6 एवं वार्ड कमांक 5 में गली मोहल्लों में जनसम्पर्क करते हुये विश्वास दिलया कि क्षेत्र के विकास व प्रगति के लिये कोई कसर नही छोड़ूँगा। जनसेवा मेरा लक्ष्य है और हमेशा रहेगा।

मैं आपकी जिंदगी भर सेवा करूंगा: मनोज तोमर

ग्वालियर। वार्ड 55 में भाजपा के पार्षद पद के प्रत्याशी मनोज तोमर ने मतदाताओं से संपर्क करते हुए कहा कि आप सब मेरे उपर विश्वास रखें मैं वार्ड के विकास में चार चांद लगा दूंगा। मंगलवार को उन्होंने अपने जनसंपर्क की शुरुआत पीली कोठी अवाड़ापुरा से की। इस अवसर पर उपस्थित जनता और कार्यकर्ताओं ने उनका जगह.जगह फूल माला पहनाकर एवं आतिशबाजी चलाकर स्वागत किया। उन्होंने कुशवाह मोहल्ला, न्यू वकील कॉलोनी, इंदिरा नगर में जाकर मतदाताओं से विजयी बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि आपके कारण ही मैं आज इस जगह हूं, मैं आपकी जिंदगीभर सेवा करूंगा।

ऊँची सोच युवा की खोज विषय पर वेबिनार आयोजित

ग्वालियर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की सहयोगी संस्था राजयोग एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के युवा प्रभाग द्वारा एक वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसका विषय था 'ऊँची सोच युवा की खोज'।

इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप से बी.के.प्रहलाद भाई (मोटिवेशनल स्पीकर एंड ट्रेनर, ग्वालियर), बी.के.अर्चना बहन (राजयोग प्रशिक्षका, सीधी), बी.के.अभिलाषा बहन (राजयोग प्रशिक्षका, भोपाल), विवेक सिंह चौहान (युवा व्यवसायी समाज सेवी, सीधी), मनोज कुमार सिंह (रिसर्चर एंड सोशल इंटरप्रेन्योर, सिंगरौली) उपस्थित रहे।

बी.के.अर्चना बहन ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी का स्वागत अभिनन्दन किया तथा उन्होंने कार्यक्रम को एक सुन्दर गीत के साथ आरम्भ किया ।

इसके तत्पश्चात बी.के.प्रहलाद भाई ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि देखा जाए तो युवाओं के अन्दर बहुत शक्ति होती है इसलिए उन्हें दोपहर का सूर्य भी कहा जाता है क्योकि आपने देखा होगा दोपहर का सूर्य बहुत ही तेजोमय दिखाई प?ता है इसलिए युवा जो है वो दोपहर के सूर्य के सामान है क्योकि आने वाली जो पी?ी है उनकी जवाबदारी युवा पर है और जो अनुभवी होकर उस वृद्ध अवस्था तक पहुचे हैं उनकी भी जवाबदारी युवा पर है ? परन्तु आज युवाओं का गलत संग होने के कारण अपने जीवन का सदुपयोग करने के बजाये दुरूपयोग करने लग जाते हैं। उन्होंने एक उद्धारण देते हुए सभी युवाओं को बताया कि आज युवा छोटी - छोटी बातों में दुःखी हो जाता है, नाराज हो जाता है, और तोड़ फोड़ में अपनी ऊर्जा करता है, एक दुसरे के प्रति कटुता की भावना, बदले की भावना आज बहुत देखने में मिलती है लेकिन यदि युवा इन व्यर्थ की बातों से अपने मन से हटा कर एकांत में बैठकर स्व-चिंतन करे, अपनी शक्तियों को पहचाने तो युवा जो करना चाहता है वह कर सकता है । वह अपनी ऊर्जा को जिस दिशा में लगाना चाहता है लगा सकता है।

मुनिश्री लक्कड़खाना से पद विहार कर पटेलनगर जैन चैत्यालय मंदिर पहुँचे

जीवन पुण्य से चलता है, हमें कुछ पल धर्म-साधना के लिए निकालना चाहिए-मुनिश्री

मुनिश्री की आगवानी जैन मंदिर में समाजजनो ने भक्तिभाव के साथ कि।

ग्वालियर-ः जीवन पुण्य से चलता है और पुण्य का भंडार धर्म-आराधना से परिपूर्ण होता है। अगर मेहनत से लक्ष्मी मिलती हो तो आज सबसे ज्यादा मजदूरों के पास होती, ऑफिस में बैठे रहने वालों के पास नहीं। जीवन के कुछ पल धर्म-साधना के लिए निकालना चाहिए। धर्म हमें भयमुक्त भी करता है। यह विचार श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज ने आज मंगलवार को सिटी सेन्टर स्थित पटेल नगर दिगंबर जैन चैत्यालय मंदिर में आशीष वचन देते हुए कही।

मुनिश्री ने कहा आज मानव को सबसे ज्यादा चिंता और भय परिवार के पालन की भी है। कहीं उसे कोई रोग ना आ जाए, मुझे कोई लूट ना ले, मुझे कोई अकस्मात दुःख ना आए आदि कई चिंता होती है। इससे मुक्त एकमात्र हमें प्रभु स्मरण से मिला भाग्य ही करा सकता है।

मुनिश्री के चरणों का पादप्रक्षालन कर आरती उतारकर अगवानी की

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि मुनि श्री विद्यासागर जी महाराज लकड़ खाने से पद विहार कर सिटीसेन्टर स्थित पटेलनगर जैन चैत्यालय मंदिर पहुँचे। मुनिश्री की आगवानी जैन समाज के विद्वान प्रतिष्ठाचार्य अजित कुमार शास्त्री मनोरम जैन, सहित जैन समाजजनो में पादप्रक्षालन कर आरती उतारकर मंगल आशीर्वाद लिया।मुनिश्री ने मंदिर में विराजित भगवान जीनेद्र देव के दर्शन कर अभिषेक व शांतिधारा कराई।

मुनिश्री के चातुर्मास की सहयोगी संस्था ने श्रीफल भेंट किया

मुनिश्री विनय सागर महाराज के चातुर्मास 2022 की सहयोगी संस्था अखिल भारतीय पुलक जन चेतना मंच ग्वालियर संस्था के चक्रेश जैन रेडीमेड, अजय जैन बेट्री, अशोक जैन पोली मुरार, ज्योतिषचार्य हुकुमचंद जैन, नरेंद्र जैन सोनू, धमेंद्र जैन, हनी जैन, अजय जैन, प्रवक्ता सचिन जैन ने सामूहिक रूप से मुनिश्री के चरणों मे श्रीफल भेंटकर आशीर्वाद लिया।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा संगठन के आधार पर चुनाव ल?ती है- हितानंद शर्मा

ग्वालियर। इस अवसर प्रदेश के संगठन महामंत्री श्री हितानंद शर्मा जी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी संगठन के आधार पर चुनाव ल?ती है। भाजपा कार्यकर्ता आधारित दल है। आज देश में 70 से 75 प्रतिशत भाग में भाजपा की सरकारें हैं। गावों की ग्राम पंचायतों से लेकर देश की लोकसभा तक भाजपा हैं। उन्होंने कहा कि हमारा नेतृत्व कहता है कि बूथ जीता, चुनाव जीता। इसलिए हर कार्यकर्ता को बूथ जिताने के लिए पूरी तरह प्राण-पण से जुट जाना चाहिए, जिससे महापौर प्रत्याशी श्रीमती सुमन शर्मा व पार्षद प्रत्याशीगण भारी मतों से विजयी बन सकें। उन्होंने कहा कि न सिर्फ ग्वालियर पूर्व क्षेत्र की जनता बल्कि संपूर्ण ग्वालियर महानगर की जनता ने शहर के विकास के पहिए को और गति देने के लिए श्रीमती सुमन शर्मा को भारी मतों से जिताने की ठान ली है।

यह चुनाव ग्वालियर के विकास के लिए-पवैया

ग्वालियर। महाराष्ट्र भाजपा के सहप्रभारी श्री जयभान सिंह पवैया ने कहा कि यह नगरीय निकाय चुनाव ग्वालियर के विकास के लिए है। यह चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है। चुनाव मुख के प्रचार से जीते जाते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ सालों पहले जब मप्र और केंद्र में भाजपा सरकार नहीं होती थीं तब भी पिछले पांच दशकों से जनता ने कांग्रेस को ग्वालियर नगर निगम में खाता नहीं खोलने दिया। उन्होंने कहा कि स्व. शेजवलकर जी जनसंघ के पहले महापौर थे। हमारे पूर्ववती महापौरों ने शहर में अनेक विकास कार्य कराए, उन्होंने कहा कि हमारी महापौर प्रत्याशी श्रीमती सुमन शर्मा विपक्षी प्रत्याशी की कोई तुलना ही नहीं है। यह अंतर्राष्ट्रीय वॉलीबॉल खिला?ी रहीं हैं हमारे शहर को शिक्षित महापौर चाहिए और इस चुनावों में हम पिछले सारे रिकार्ड तो?कर चुनाव जीतने वाले हैं। ग्वालियर दक्षिण विधानसभा हमारा अजेय क्षेत्र है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि मत प्रतिशत ब?ाएं, इस क्षेत्र का हर भाजपा पार्षद प्रत्याशी विजयी हो और सुमन शर्मा एक रिकॉर्ड तो? मतों से विजयी होंगी।

निगमायुक्त श्री कन्याल को निरीक्षण के दौरान मेला ग्राउंड स्थित कचरा संग्रहण स्टेशन पर मिली अव्यवस्था, प्रभारी को किया निलंबित

ग्वालियर। नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल प्रतिदिन सुबह-सुबह शहर के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर शहर की साफ सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं को देखा जा रहा है, तथा क्षेत्र में गंदगी मिलने पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये जा रहे हैं। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्री अतेन्द्र गुर्जर, अधीक्षण यंत्री श्री आरएलएस मौर्य, कार्यपालन यंत्री श्री जागेश श्रीवास्तव, सीसीओ श्री शुशील कटारे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। निगमायुक्त श्री कन्याल ने मेला ग्राउंड स्थित कचरा संग्रहण स्टेशन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वहां पर अव्यवस्था मिलने पर नाराजगी जाहिर करते हुए कडी फटकार लगाई और कचरा संग्रहण स्टेशन प्रभारी श्री राकेश कश्यप को निलंबित किया गया तथा उनके स्थान पर क्षेत्राधिकारी श्री अमित गुप्ता को ट्रांसफर स्टेशन का दायित्व सौंपा। इसके साथ ही विनय नगर सेक्टर 3 में दुकानों के गंदगी करने पर फटकार लगाई गयी साथ ही जुर्माने की कार्यवाही की और स्वच्छता का नारा भी दुकानदारों से लगवाया गया। साथ ही विनय नगर स्थित लोक सेवा केंद्र का औचक निरीक्षण किया गया और कहा कि लोक सेवा केन्द्र पर आने वाले हितग्राहियों को बिना उचित कारण परेशान न किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने शहर में स्थित नालों का निरीक्षण किया। निरीक्षण में सबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि बरसात के दौरान शहर की कॉलोनियों में जल भराव की स्थिति पैदा न हो इससे पहले ही नगर निगम ग्वालियर की और सभी इंत?ाम किये जाएं। साथ ही निगमायुक्त श्री कन्याल ने नवीन अमृत योजना पानी की टंकियों से पानी प्रदाय किया जाने लगा है, इसी व्यवस्था का जायजा लेने के लिए स?कों पर उतर सभी व्यवस्था देखी। इस दौरान नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल ने विनय नगर में लोगो के घर घर पहुंच कर पानी के बारे पूछा, जिस पर लोगो ने अपनी संतुष्टि जाहिर की। इसके साथ ही अन्य क्षेत्रों में पयेजल व साफ सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया।

निगमायुक्त श्री कन्याल ने बैठक लेकर अधिकारियों को दिये आवशयक दिशा निर्देश

ग्वालियर। निगमायुक्त श्री किशोर कन्याल ने होने वाले नगरीय निकाय निर्वाचन की व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर आवशयक दिशा निर्देश दिये। इसके साथ ही सीएम हेल्प लाइन की समीक्षा भी की। इस अवसर पर अपर आयुक्त श्री अतेंद्र सिंह गुर्जर, श्री मुकुल गुप्ता, उपायुक्त श्री प्रदीप श्रीवास्तव सहित संबंधित सभी अधिकारी उपस्थित रहे।

निगम मुख्यालय में आयोजित बैठक में निगमायुक्त श्री किशोर कन्याल ने नगरीय निकाय निर्वाचन को मद्धेनजर बैठक लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक वार्ड के मतदान केन्द्रों पर समय रहते सभी व्यवस्थायें सुद्रण कर ली जाऐं। इसके साथ ही हमें कुछ मतदान केन्द्रों को आदर्श मतदान केन्द्र बनाना हैं उसके लिये सभी आवशयक तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं। निगमायुक्त श्री कन्याल ने सीएम हेल्प लाइन की समीक्षा बैठक लेते हुए, संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित मामलों के गंभीरता से निपटायें। सीएम हेल्प लाइन में पेंडेंसी न रहे। साथ ही बैठक से नदारद रहने वाले अधिकारियों के खिलाफ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।

अपर आयुक्त ने किया साफ सफाई व्यवस्था का निरीक्षण

ग्वालियर। अपर आयुक्त श्री अतेन्द्र गुर्जर ने शहर में चल रहे निर्माण कार्यो व साफ सफाई व्यवस्था का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवशयक दिशा निर्देश दिये। अपर आयुक्त श्री गुर्जर ने इंदरांज चौराहे पर डाली जा रही डामरीकरण रोड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संबंधित ठेकेदार को गुणवत्तापूर्ण रोड बनाये जाने के साथ ही नाली निर्माण के लिये भी निर्देशित किया तथा दुकानदारों से कहा कि नवनिर्मित रोड को खराब न करें वरना जुर्माने की कार्यवाही की जाएगी। इसके साथ ही फूलबाग गुरुद्वारा के पीछे बनी फूड मार्केट के दुकानदारो को साफ सफाई रखने की हिदायत दी।

मतदाता जागरूकता के लिये महाविद्यालयों में होंगे आयोजन

ग्वालियर। नगरीय निकाय आम निर्वाचन ङ्क 2022 में शतप्रतिशत मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करें, इसके लिये मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत समस्त नोडल अधिकारी, कैम्पस एम्बेसडर, विश्वविद्यालयों को तिथिवार मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णौपुरम्, एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रित करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनूमान मंदिर के पास, भिण्ड रोड, गोले का मंदिर जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश 474005 से प्रकाशित। संपादक- भरत सिंह चौहान पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार। E-mail : pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, M.: 8269307478